वर्ष : 16 अंक : 02 प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित अनूपपुर 11 से 17 जनवरी 2024 मूल्य 2.00 पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी-SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छतीसगढ का लोकप्रिय समाचार पत्र आपका विश्वास

सुविचार

कोई भी अपने लिये आलसी होने की और मुर्ख होने की योजना नही बनाता। ये सारी चीजे तो तभी होती है।

स्पीकर के फैसले से उद्धव गुट को बड़ा झटका, शिंदे को हटाने का फैसला नामंजूर

शिंदे गुट ही असली शिवसेना

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शिवसेना विधायकों के योग्यता को लेकर विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने अपना फैसला सुना दिया है। इस फैसले से उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। स्पीकर ने अपने फैसले में साफ तौर पर एकनाथ शिंदे को हटाने के फैसले को नामंजूर कर दिया है। उन्होंने कहा है कि संविधान के मुताबिक हम नहीं हटा सकते थे। शिंदे को हटाने का फैसला कार्यकारिणी का होना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी पर उद्धव गुट का रुख साफ नहीं है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे का गुट संवैधानिक नहीं है। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि विधायक दल के नेता को हम नहीं हटा सकते। असली पार्टी पर उद्धव ठाकरे की दलील भी खारिज कर दी गई है।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर कहते हैं, 21 जून 2022 को जब प्रतिद्वंद्वी गुट उभरे तो शिंदे गुट ही असली शिवसेना राजनीतिक दल था। उन्होंने कहा कि यूबीटी गुट ने रिकॉर्ड पर कोई सामग्री नहीं रखी है या यह भी सुझाव नहीं दिया है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की कोई बैठक बुलाई गई थी जहां वास्तविक राजनीतिक दल के बारे में कोई निर्णय लिया गया था। 2018 की नेतृत्व संरचना शिवसेना के संविधान (1999 के जिस पर भरोसा किया जाता है) के अनुरूप नहीं थी। इस नेतृत्व संरचना को यह निर्धारित करने के लिए मानदंड के रूप में नहीं लिया जा सकता है कि कौन सा गुट वास्तविक शिव सेना राजनीतिक दल है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शिवसेना के 2018 संशोधित संविधान को वैध नहीं माना जा सकता क्योंकि यह भारत के चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, मैं किसी अन्य कारक पर नहीं जा सकता जिसके आधार पर संविधान मान्य है। रिकॉर्ड के अनुसार, मैं वैध संविधान के रूप में शिव सेना के 1999 के संविधान पर भरोसा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत के अनुसार दोनों गुटों ने संविधान पार्टी के अलग-अलग संस्करण प्रस्तुत किए हैं, तो उस मामले में किस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए, जो संविधान प्रतिद्वंद्वी गुटों के उभरने से पहले दोनों पक्षों की सहमति से ईसीआई को प्रस्तुत किया गया था। आगे निष्कर्ष दर्ज करने से पहले यह दोहराना जरूरी है कि इस अयोग्यता की शुरुआत के अनुसार, महाराष्ट्र विधान सचिवालय ने 7 जून 2023 को एक पत्र लिखा था, जिसमें ईसीआई कार्यालय से पार्टी संविधान/ज्ञापन/नियमों की एक प्रति प्रदान करने का अनुरोध किया गया था। राहुल नार्वेकर ने कहा कि कौन सा गुट वास्तविक राजनीतिक दल है, इसके निर्धारण के लिए ईसीआई द्वारा प्रदान किया गया शिव सेना का संविधान ही शिव सेना का प्रासंगिक संविधान है। उन्होंने कहा कि मेरे सामने मौजूद साक्ष्यों और रिकॉर्डों को देखते हुए, प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि वर्ष 2013 के साथ-साथ वर्ष 2018 में भी कोई चुनाव नहीं हुआ था। हालाँकि, 10वीं अनुसूची के तहत क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने वाले अध्यक्ष के रूप में मेरा क्षेत्राधिकार सीमित है और मैं इससे आगे नहीं जा सकता ईसीआई का रिकॉर्ड जैसा कि वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसलिए मैंने प्रासंगिक नेतृत्व संरचना का निर्धारण करते समय इस पहलू पर विचार नहीं किया है। इस प्रकार, उपरोक्त निष्कर्षों को देखते हुए, मुझे लगता है कि ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध 27 फरवरी 2018 के पत्र में परिलक्षित शिव की नेतृत्व संरचना प्रासंगिक नेतृत्व संरचना है जिसे यह निर्धारित करने के उद्देश्य से ध्यान में रखा जाना चाहिए कि कौन सा गुट असली राजनीतिक दल है।

स्पीकर के फैसले के बाद सियासी बयानबाजी

प्रियंका ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण तो अठावले ने कही यह बात

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शिवसेना विधायकों की अयोग्यता मामले में फैसला सुनाया। नार्वेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट को ही असली शिवसेना माना। साथ ही 16 विधायकों को अयोग्य करार देने की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी। इसके बाद से ही सियासी जगत में प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। कोई इस फैसले से खुश दिखा तो किसी ने इससे नाखुशी जाहिर की।

शिव सेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मुझे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं है। हमने सुना था वही होता है जे मंजूर-ए-खुदा होता है... 2014 के बाद एक नई परंपरा शुरू हुई है, वही होता है जो मंजूर-ए-नरेंद्र मोदी और अमित शाह होता है।

यही हम महाराष्ट्र में होते हुए देख रहे हैं... यह नैतिकता का एक दुर्भाग्यपूर्ण समझौता है। कुछ ऐसा किया जा रहा है जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अवैध और असंवैधानिक करार दिया था कानूनी हो गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश चुनाव: निर्वाचन आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रतिबद्ध, सीईसी ने कहा

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि निर्वाचन आयोग पारदर्शी तरीके से और प्रलोभन मुक्त माहौल में चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी अपराधियों से सख्ती से निपटने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आयोग ने चुनाव मशीनरी और संपूर्ण नौकरशाही को निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी हितधारकों के लिए सुलभ होने पर जोर दिया है और उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की टीम ने कई राजनीतिक दलों से मुलाकात की है, जिन्होंने नकदी बांटे जाने पर नियंत्रण से लेकर वोटों को प्रभावित करने और प्रलोभन-मुक्त चुनावों के लिए सख्त कार्रवाई करने जैसे कई अनुरोध किए हैं। कुमार ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि आप सिर्फ शराब के छोटे संचालकों, शराब ले जाने वालों पर ही कार्रवाई करें। उन सरगनाओं को पकड़ें जिनके जरिये अपराध को अंजाम दिया जाता है। इसी तरह, बैंकों, वॉलेट, यूपीआई, किसी भी माध्यम से नकदी के हस्तांतरण की स्थिति में उस पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि हवाई पट्टियों और हेलीपैड सहित सभी हवाई अड्डों पर खुफिया आधार पर सभी प्रकार की हेलीकॉप्टर और हवाई सेवाओं की जांच की जाएगी। कुमार के मुताबिक, आंध्र प्रदेश में 4.07 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 2.07 करोड़ महिला मतदाता हैं।

संजय सिंह ने अदालत से किया था अनुरोध, मिली राज्यसभा सदस्य प्रमाणपत्र लेने की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह को 12 जनवरी को रिटर्निंग ऑफिसर से राज्यसभा का सदस्य प्रमाण पत्र लेने की अनुमति दे दी। सिंह ने अदालत से अनुरोध किया था कि जेल अधिकारियों को उनका सदस्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए रिटर्निंग अधिकारी के पास ले जाने का निर्देश दिया जाए क्योंकि नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 12 जनवरी तय की गई है। सिंह के वकीलों ने कहा कि चूंकि केवल तीन सीटें हैं और तीन लोगों ने नामांकन दाखिल किया है और उनके खिलाफ कोई भी चुनाव नहीं लड़ रहा है, इसलिए वह राज्यसभा के सदस्य बन जाएंगे। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने उनके आवेदन को स्वीकार करते हुए जेल अधीक्षक को उन्हें पर्याप्त सुरक्षा के बीच 12 जनवरी को दोपहर 2 बजे तक रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में ले जाने का निर्देश जारी किया। सिंह इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। स्वाति मालीवाल और एनडी गुप्ता के साथ राज्यसभा की तीन सीटों में से एक के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया था।

जब 5 हजार लोगों से हाथ मिलाने के बाद राजीव गांधी की हाथों से निकलने लगा खून, सैम पित्रोदा ने सुनाया पुराना किस्सा

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने बुधवार को कहा कि एक बार पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की हथेली से खून बहने लगा था जब उन्होंने 5,000 लोगों से हाथ मिलाया था ज्यादातर खुरदरी त्वचा वाले मजदूर वर्ग के लोग थे। यह टिप्पणी राहुल गांधी की 14 जनवरी को शुरू होने वाली आगामी भारत न्याय यात्रा भारत जोड़ो यात्रा के दूसरा चरण के संदर्भ में आई है। यह टिप्पणी वायरल हो गई क्योंकि भाजपा नेताओं ने इसे गांधी परिवार की प्राचीन वस्तुओं का मजाक उड़ाने के लिए उठाया। एक यूट्यूब न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने कहा कि राजीव गांधी को भी जमीनी स्तर पर लोगों से मिलने की उत्सुकता थी। मुझे याद है कि एक बार मैं और मेरी पत्नी राजीव गांधी से मिलने गए थे। हमने देखा कि उनके हाथों से खून बह रहा था। जैसा कि मैंने उनसे पूछा, उन्होंने कहा कि उन्होंने कम से कम 5,000 लोगों से हाथ मिलाया है। मैं जहां भी गया, मुझे हाथ मिलाना पड़ा।

कांग्रेस के न्याय यात्रा पर जेपी नड्डा का तंज

70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, ओबीसी के मुद्दे पर भी घेरा

नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भारत न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ओबीसी को संवैधानिक दर्जा दिया।

लेकिन वे (कांग्रेस) केवल वोट चाहते हैं। नेहरू ने अम्बेडकर को संसद में प्रवेश करने से रोक दिया था। ओबीसी के साथ इतना अन्याय करने के बाद अब ये न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 356 का इस्तेमाल कर 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। ये लोग न्याय यात्रा निकाल रहे हैं? अगर कल कोई हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार गिरा दे तो क्या होगा?...जब राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान यहां आएं तो आपको उनसे 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में पूछना चाहिए।

नड्डा ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व तरीके से बदल रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि आप उस पार्टी से हैं जिसने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है।

भारत दुनिया में आज स्थिरता की गारंटी, पीएम मोदी बोले-

अगले 25 वर्षों में देश को विकसित बनाने का है लक्ष्य

नई दिल्ली। वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत ने आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाया। अब भारत अगले 25 साल की तैयारी कर रहा है।

हमारा लक्ष्य आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। अगले 25 साल भारत के लिए अमृत काल होने वाले हैं। यह नये संकल्पों का समय है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात समिट आर्थिक विकास और निवेश का एक वैश्विक मंच बन गया है।

मोदी ने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत और यूएई ने फूड पार्क के विकास, नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग और नवीन स्वास्थ्य देखभाल में निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत के बंदरगाह बुनियादी ढांचे के लिए यूएई की कंपनियां अरबों डॉलर के निवेश पर सहमत हुई हैं। भारत और यूएई अपने रिश्ते को नई ऊंचाइयों पर ले गए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखती है। एक दोस्त जिस पर भरोसा किया जा सकता है, एक साथी जो जन-केंद्रित विकास में विश्वास करता है, एक आवाज जो वैश्विक भलाई में विश्वास करती है, ग्लोबल साउथ की आवाज, वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास का एक इंजन, समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी केंद्र, एक पावरहाउस प्रतिभाशाली युवाओं और एक लोकतंत्र जो उद्धार करता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि 10 साल पहले भारत 11वें स्थान पर था। आज दुनिया की हर प्रमुख रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमी में जाएगा। एक ऐसे समय में जब विश्व अनेक अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। तब भारत दुनिया में विश्वास की एक नई किरण बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के लोगों को अपना विश्लेषण करने दीजिए, लेकिन यह मेरी गारंटी है कि ऐसा होगा। मोदी ने कहा कि आज तेजी से बदलते हुए वर्ल्ड आर्डर में भारत विश्वमित्र की भूमिका में आगे बढ़ रहा है।

कांग्रेस ने राम मंदिर का निमंत्रण ठुकराया तो बोले हरदीप पुरी, बयानबाजी में फंसे हुए हैं, पछतावा होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी को राम मंदिर के 22 जनवरी के अभिषेक समारोह में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर पछतावा होगा, सोनिया गांधी द्वारा भव्य अयोध्या कार्यक्रम के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर पार्टी की पहली प्रतिक्रिया में। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर अपनी बयानबाजी में फंसने का भी आरोप लगाया। पुरी ने कहा कि वे अपनी बयानबाजी में फंसे हुए हैं...उन्हें गंभीरता से क्यों लें? अगर वे नहीं जाएंगे तो उन्हें पछतावा होगा। भाजपा नेता नलिन कोहली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का फैसला आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि उन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया है। कांग्रेस ने पिछले कुछ दशकों में अयोध्या में मंदिर के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई में देरी की। इसलिए, कांग्रेस पार्टी आधिकारिक तौर पर कह रही है कि वह राम मंदिर निर्माण में शामिल नहीं होगी।

कांग्रेस का राम विरोधी चेहरा सामने आया, स्मृति ईरानी बोलीं-

इंडिया गठबंधन ने बार-बार सनातन धर्म का किया अपमान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी 22 जनवरी को राम मंदिर कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे।

पार्टी ने एक बयान जारी कर राम मंदिर कार्यक्रम के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख की अटकलों को समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि अभिषेक कार्यक्रम स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा का कार्यक्रम बन गया है। हालांकि, इसको लेकर बाजपा की ओर से कांग्रेस पर चौतरफा वार किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी इसको लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधा है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का भगवान राम विरोधी चेहरा देश के सामने है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में, जिस पार्टी ने अदालत के समक्ष हलफनामा दायर किया था कि भगवान राम एक काल्पनिक चरित्र हैं, उसके नेतृत्व ने राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने बार-बार सनातन धर्म का अपमान किया है।

अब, इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करना उनकी सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी, अखिलेश पर चढ़ गया उनका भूत, प्रमोद कृष्णम का तंज

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर से विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने राम मंदिर आंदोलन को लेकर विवादित बयान दे दिया है। कार सेवकों पर गोलियां चलवाने के मामले में अब स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान देकर कार सेवकों को अराजक तत्व करार दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य से तब सरकार ने गोलियां चलवाई थी। सरकार ने राज्य में हिंसा ना हो और अमन बनाए रखने के लिए फर्ज निभाया था। इसकी को लेकर लेकर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर पलटवार किया है और अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी है। अखिलेश यादव के ऊपर स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत चढ़ गया है। उन्होंने दावा किया कि वे स्वामी प्रसाद मौर्य से डरते हैं, वे जानते हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा के व्यक्ति है, उनके बयानों से उनकी पार्टी का बेड़ा गर्क होगा और वे जानते हैं कि अगर स्वामी प्रसाद मौर्य ऐसे ही बयान देते रहे तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को आने से कोई नहीं रोक सकता फिर भी पता नहीं क्या मजबूरी है।

सर्दी

मप्र-राजस्थान में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर रही

हिमाचल में साल की पहली बर्फबारी, माइनस 8 डिग्री तापमान

नई दिल्ली। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में ठंड और घने कोहरे का सिलसिला जारी है। हिमाचल प्रदेश के कुफरी में मंगलवार (9 जनवरी) को इस साल पहली बार बर्फबारी हुई। इससे न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बर्फबारी के बाद कुकुमसेरी में -8.6 डिग्री, कुफरी में -0.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश के कई शहरों में बुधवार (10 जनवरी) की सुबह घना कोहरा छाया रहा। भोपाल में सुबह 5 बजे विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई। यहां रिमझिम बारिश भी हुई। ढुस्छ ने एमपी के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और ओले गिरने की संभावना जताई है। अगले 2-3 दिन के बाद राज्य में ठंड का असर बढ़ेगा।

राजस्थान के बिकानेर और जयपुर में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 25 और 50 मीटर रही। कुछ ऐसा ही हाल जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, बिहार, यूपी और ओडिशा के जिलों में भी रहा। यूपी के सभी जिलों में आज घने कोहरे का यलो अलर्ट है। 10 जिलों में बारिश और ओले गिरने के आसार हैं। राज्य में 12 जनवरी से मौसम साफ होगा। धूप निकलने की संभावना है। हालांकि, तापमान में लगातार गिरावट होगी। इससे ठंड बढ़ने की आशंका है। महाराष्ट्र और गुजरात में भी आज गरज और चमक के साथ बूंदाबांदी का अनुमान है। मुंबई में मंगलवार देर रात बारिश हुई। इसके अलावा तमिलनाडु और केरल के लिए भी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहने की आशंका है। निजी वेदर एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, 10 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है।

संपादकीय

पहलवानी को पटखनी

देश की राजधानी और हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों में भारतीय कुश्ती संघ के शीर्ष नेतृत्व पर कदाचार के आरोपों के चलते जो धरना-प्रदर्शन हुए, उन्हें पूरी दुनिया ने देखा था। जाहिर है दुनिया में भारतीय खेलों खासकर कुश्ती को लेकर कोई अच्छा संदेश नहीं गया। देश के असली पहलवान राजनीतिक पहलवानों के आगे लाचार नजर आए। यह दुखद ही था कि देश में मध्यम व गरीब परिवारों से आए पहलवानों की कड़ी मेहनत को प्रतिष्ठा नहीं मिल पायी। हम उन खिलाड़ियों को न्याय नहीं दिला पाये जो कड़े अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों के बाद देश के लिये पदक लेकर आए। यह उनकी तपस्या जैसी कड़ी मेहनत का ही फल होता है कि परदेस में भारतीय तिरंगा लहराये और राष्ट्रगान की धुन गूंजे। कालांतर कुश्ती संघ का यह विवाद अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तक पहुंचने से हमारी साख को बट्टा लगा। जिसका नतीजा ये हुआ कि विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संचालन संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेस्लिंग यानी यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया। दरअसल, तदर्थ पैनल को 45 दिन के भीतर कुश्ती महासंघ के चुनाव कराने को कहा गया था। लेकिन इस अवधि में चुनाव नहीं हुए। निस्संदेह, यह अप्रिय फैसला देश की प्रतिष्ठा पर आंच आने जैसा है। ये उन खिलाड़ियों के साथ अन्याय है जो अपना जीवन दांव पर लगाकर देश के लिये पदक लाते हैं। फैसला उनके मनोबल पर प्रतिकूल असर डालेगा। वे अब तिरंगे के साये में आगामी विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें अब तटस्थ खिलाड़ी के रूप में भाग लेना होगा। उल्लेखनीय है कि जो खिलाड़ी आगामी विश्व चैंपियनशिप में विजेता होंगे, उनका चयन पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिये होगा। जाहिरा तौर पर एक राष्ट्र के ध्वज तले न खेल पाना खिलाड़ियों के मनोबल गिराने जैसा ही है। भारतीय कुश्ती महासंघ पर इस लापरवाही की जवाबदेही बनती है। ऐसे में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू के निर्देशों के चलते समय रहते चुनाव क्यों नहीं किये गये।

यहां सवाल ये उठता है कि जब कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर कदाचार के आरोप लगाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहलवान आंदोलन कर रही थीं तो खेल मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को क्यों नहीं समझा। यदि समय रहते कार्रवाई होती और चुनाव होते तो वैश्विक स्तर पर भारत की किरकिरी नहीं होती। सवाल यह भी है कि जब तीन माह पूर्व यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने चुनाव कराने और समय पर चुनाव न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी, तो खेल मंत्रालय ने इस मुद्दे को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? निस्संदेह, असम कुश्ती संघ व हरियाणा कुश्ती संघ के अदालत चले जाने से चुनाव कराने में बाधा उत्पन्न हुई। लेकिन इस कार्रवाई के बाबत यूडब्ल्यूडब्ल्यू को अवगत कराकर संवाद के जरिये कोई समाधान निकालने का कोई प्रयास तो किया जा सकता था। इसमें दो राय नहीं कि यह स्थिति राजनीतिक रस्साकशी के चलते उत्पन्न हुई है।

प्रभावी सीखने की आदतों के लिए मार्गदर्शिका

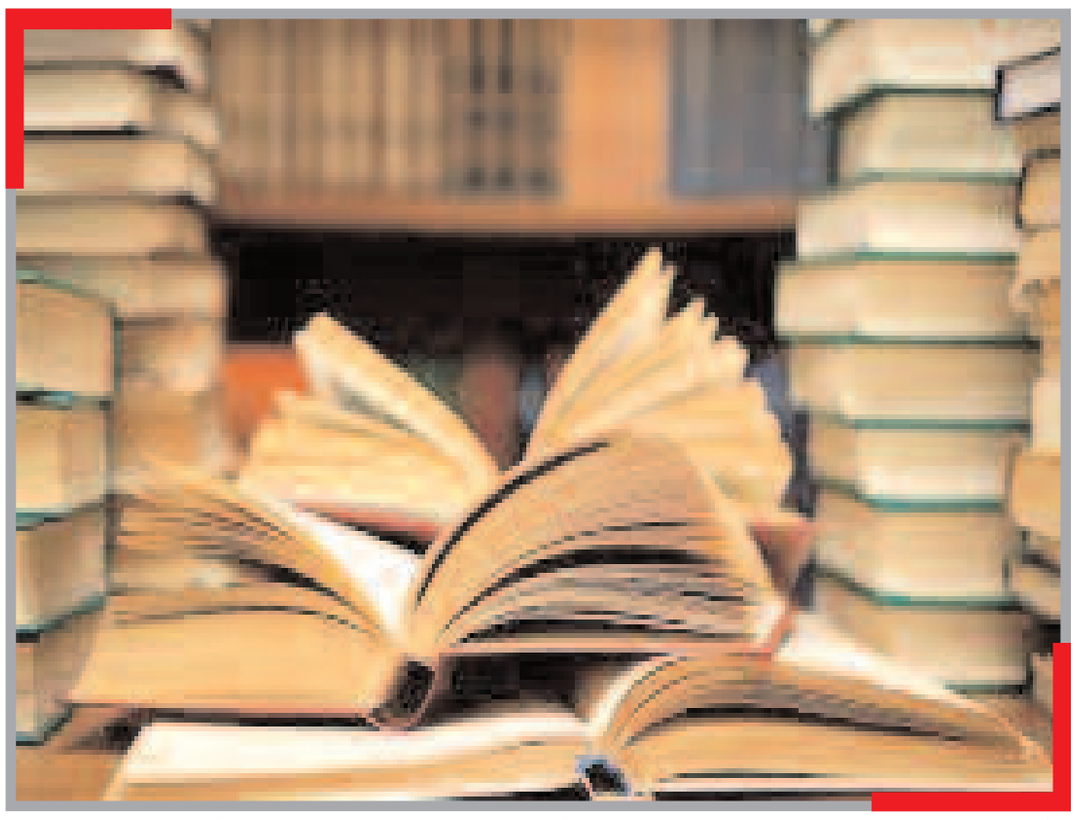

प्रभावी संचार सफल टीम वर्क और नेतृत्व की नींव है जो आत्मविश्वास पैदा करता है और व्यक्ति को अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है कक्षा के संरचित वातावरण से कक्षों की गतिशील दुनिया में परिवर्तन एक छात्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसे ही औपचारिक शिक्षा का अध्याय बंद होता है और पेशेवर क्षेत्र का दरवाजा खुलता है, युवा मन को एक रोमांचक लेकिन चुनौतीपूर्ण यात्रा का सामना करना पड़ता है। उसी यात्रा से गुज़रने के बाद, मैं शुरुआत से ही प्रभावी सीखने की आदतें विकसित करने के महत्व पर ज़ोर दे सकता हूँ। इसमें इस संक्रमण के दौरान परिवर्तनकारी क्षमता शामिल है और इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान सफलता के लिए आधार तैयार करता है। पारंपरिक शिक्षा मॉडल प्रचुर मात्रा में ज्ञान प्रदान करता है, संज्ञानात्मक क्षमताओं को निखारता है और छात्रों को अकादमिक रूप से तैयार करता है। जैसे-जैसे छात्र क्यूबिकल्स, बोर्डरूम और सह-कार्यशील स्थानों पर जाते हैं, उन्हें नई चुनौतियों, अवसरों और जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ता है। आधुनिक कार्यस्थल के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए, छात्रों को सीखने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जिसमें बौद्धिक कौशल और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने वाले सॉफ्ट कौशल की एक श्रृंखला शामिल हो। आजीवन शिक्षार्थी बनें- सीखना स्नातक स्तर की पढ़ाई के साथ समाप्त नहीं होता है; यह एक आजीवन यात्रा है. इस निरंतर विकसित हो रही दुनिया में, प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए निरंतर सीखना महत्वपूर्ण है। संगठन उन कर्मचारियों को महत्व देते हैं जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। निरंतर सीखने में उद्योग के रुझान, प्रौद्योगिकी प्रगति और बाजार बदलाव के साथ अद्यतन रहना शामिल है। छात्रों को ब्लॉग, उद्योग प्रकाशनों और पेशेवर मंचों के माध्यम से सूचित रहते हुए, अपने वांछित क्षेत्रों के विकसित परिदृश्य पर नज़र रखनी चाहिए। मास्टर टाइम मैनेजमेंट- समय प्रबंधन सफलता की आधारशिला है। असाइनमेंट के लिए समय सीमा को पूरा करने से लेकर कार्यस्थल पर परियोजनाओं को पूरा करने तक, प्रभावी समय प्रबंधन महत्वपूर्ण है। समय को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करना सीखने में समय प्रबंधन में अपनी ताकत और कमजोरियों को समझना शामिल है। छात्रों के लिए, विभिन्न गतिविधियों पर बिताए गए समय पर नज़र रखना उन क्षेत्रों की पहचान करने में फायदेमंद होगा जहां वे सुधार कर सकते हैं। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके और उन्हें क्रियान्वित कार्यों में बांटकर शुरुआत करें। आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाएं- कार्यस्थल में आलोचनात्मक ढंग से सोचने की क्षमता को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच में जानकारी का विश्लेषण करना, धारणाओं पर सवाल उठाना और अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेना शामिल है। आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए, ऐसे पाठ्यक्रमों की तलाश करनी चाहिए जो खुली चर्चा और जटिल मुद्दों की खोज की अनुमति दें। केस स्टडीज, बहस और अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने से आलोचनात्मक सोच क्षमताओं में वृद्धि होती है। अनुकूलनशीलता और लचीलापन- आज के तेजी से विकसित हो रहे नौकरी बाजार में, अनुकूलनशीलता आवश्यक है। अनुकूलन क्षमता विकसित करने के लिए, छात्र अपने आराम क्षेत्र से बाहर के अनुभवों की तलाश कर सकते हैं। इंटर्नशिप, स्वयंसेवी कार्य, या विदेश में अध्ययन में संलग्न होने से व्यक्तियों को विविध स्थितियों और संस्कृतियों का पता चलता है, जिससे अनुकूलनशीलता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, असफलताओं से सीखने और विकास के अवसर के रूप में बदलाव को अपनाने की इच्छा छात्र जीवन से कॉर्पोरेट जगत तक की यात्रा को और अधिक फायदेमंद बनाएगी। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का पोषण करें- भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईआई) स्वयं और दूसरों में भावनाओं को पहचानना और प्रबंधित करना है। कार्यस्थल में, ईआई संबंध बनाने, संघर्षों को सुलझाने और सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर महारत हासिल करना आपको स्थापित कर देगाएक प्रभावी टीम खिलाड़ी और नेता के रूप में अलग। छात्रों को आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और मजबूत पारस्परिक कौशल विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के लिए, छात्र सक्रिय रूप से उन गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं जो आत्म-जागरूकता और सहानुभूति को बढ़ाती हैं। माइंडफुलनेस प्रथाओं, प्रतिबिंब अभ्यासों में संलग्न होना और साथियों से प्रतिक्रिया मांगना व्यक्तिगत विकास और भावनात्मक बुद्धिमत्ता में योगदान कर सकता है। सहयोग और नेटवर्किंग को अपनाएं- आधुनिक कार्यस्थल में सहयोग एक आवश्यक कौशल है। नेटवर्किंग नौकरी के अवसरों, मार्गदर्शन और विभिन्न उद्योगों में अंतर्दृष्टि के द्वार खोल सकती है। एक छात्र के रूप में, अपनी सहयोगी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए समूह परियोजनाओं, टीम-आधारित असाइनमेंट और पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें। इसके अलावा, नेटवर्किंग इवेंट, करियर मेले और उद्योग सम्मेलन सार्थक संबंध बनाने में मदद कर सकते हैं। संचार कौशल को परिष्कृत करें- प्रभावी संचार सफल टीम वर्क और नेतृत्व की नींव है। छात्र सार्वजनिक भाषण, लेखन और प्रभावी संचार पर पाठ्यक्रम या कार्यशालाएँ तलाश सकते हैं। प्रस्तुतियों, सार्वजनिक भाषण और लेखन कार्यों में नियमित रूप से शामिल होकर अपने लिखित और मौखिक संचार कौशल को निखारें। कॉर्पोरेट जगत में, विचारों को संप्रेषित करने, सहकर्मियों और ग्राहकों के साथ संबंध बनाने और प्रभावी टीम वर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए स्पष्टता और अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण है। वाद-विवाद क्लब, सार्वजनिक भाषण क्लब या पत्रकारिता जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न होने से संचार कौशल के व्यावहारिक अनुप्रयोग के अवसर मिल सकते हैं।

प्रेरक प्रसंग

तीन कसौटियाँ

प्राचीन यूनान में सुकरात अपने ज्ञान और विद्वता के लिए बहुत प्रसिद्ध था। सुकरात के पास एक दिन उसका एक परिचित व्यक्ति आया और बोला, मैंने आपके एक मित्र के बारे में कुछ सुना है।

ये सुनते ही सुकरात ने कहा, दो पल रूकें, मुझे कुछ बताने से पहले मैं चाहता हूँ कि हम एक छोटा सा परीक्षण कर लें जिसे मैं 'तीन कसौटियों का परीक्षण' कहता हूँ।

तीन कसौटियाँ? कैसी कसौटियाँ?, परिचित ने पूछा।

हाँ, सुकरात ने कहा, मुझे मेरे मित्र के बारे में कुछ बताने से पहले हमें यह तय कर लेना चाहिए कि आप कैसी बात कहने जा रहे हैं, इसलिए किसी भी बात को जानने से पहले मैं इन कसौटियों से परीक्षण करता हूँ।

इसमें पहली कसौटी सत्य की कसौटी है। क्या आप सौ फीसदी दावे से यह कह सकते हो कि जो बात आप मुझे बताने जा रहे हो वह पूर्णत: सत्य है?

नहीं, परिचित ने कहा, दरअसल मैंने सुना है किज

ठीक है, सुकरात ने कहा, इसका अर्थ यह है कि आप आश्वस्त नहीं हो कि वह बात पूर्णत: सत्य है। चलिए, अब दूसरी कसौटी का प्रयोग करते हैं जिसे मैं अच्छाई की कसौटी कहता हूँ।

मेरे मित्र के बारे में आप जो भी बताने जा रहे हो क्या उसमें कोई अच्छी बात है?

नहीं, बल्कि वह तोज, परिचित ने कहा.

अच्छा, सुकरात ने कहा, इसका मतलब यह है कि आप मुझे जो कुछ सुनाने वाले थे उसमें कोई भलाई की बात नहीं है और आप यह भी नहीं जानते कि वह सच है या झूठ। लेकिन हमें अभी भी आस नहीं खोनी चाहिए क्योंकि आखिरी यानि तीसरी कसौटी का एक परीक्षण अभी बचा हुआ है; और वह है उपयोगिता की कसौटी।

जो बात आप मुझे बतानेवाले थे, क्या वह मेरे किसी काम की है?

नहीं, ऐसा तो नहीं है, परिचित ने असहज होते हुए कहा। बस, हो गया, सुकरात ने कहा, जो बात आप मुझे बतानेवाले थे वह न तो सत्य है, न ही भली है, और न ही मेरे काम की है, तो मैं उसे जानने में अपना कीमती समय क्यों नष्ट करूं?

दोस्तों आज के नकारात्मक परिवेश में हमें अक्सर ऐसे लोगों से पाला पड़ता है जो हमेशा किसी न किसी की बुराईयों का ग्रन्थ लेकर घूमते रहते हैं और हमारे बीच मतभेद पैदा करने को कोशिश करते रहते हैं, इनसे निबटने के लिए सुकरात द्वारा बताई गयी इन तीन कसौटियों, सत्य की कसौटी, अच्छाई की कसौटी और उपयोगिता की कसौटी को आप भी अपने जीवन में अपनाकर अपना जीवन सरल और खुशहाल बना सकते हैं।

दवाओं का उत्पादन कुटीर उद्योग जैसा न हो

इस माह के शुरू में, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने एक अधिसूचना के माध्यम से पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर (आरएमपी) के लिए दिशा-निर्देश 2023 जारी किए थे। इसमें रोगी, जनता और अपने सहयोगियों के प्रति एक आरएमपी का कर्तव्य और उत्तरदायित्व बताए जाने के अलावा, अपने कौशल में बढ़ोतरी हेतु समय-समय पर व्यावसायिक कौशल विकास कार्यक्रमों में भाग लेने की सलाह थी, रोगियों को आकर्षित करने और इसके लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की मनाही थी। निर्देशों में यह भी कहा गया था कि आरएमपी रोगी-पर्ची पर केवल जेनेरिक दवाओं के नाम ही लिखेंगे और इसका उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई होगी, जिसमें चिकित्सा लाइसेंस तक रद्द हो सकता है। हालांकि चिकित्सकों के अखिल भारतीय संघ (आईएमए) के विरोध के बाद ये निर्देश फिलहाल स्थगित किये जा चुके हैं।

सरकार के आर्थिक सर्वे के अनुसार, विश्व के कुल दवा उत्पादन में 20 फीसदी अंश के साथ भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्माता है। करीब 200 से अधिक मुल्कों को 50 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य की दवाएं निर्यात होती हैं और सभी प्रकार के वैक्सीनों की 60 फीसदी भारत में तैयार होती हैं। अमेरिका से इतर भारत में एफडीए मानकों के अनुरूप दवाएं बनाने वाली दवा उत्पादन इकाइयां सबसे अधिक हैं। तभी तो भारत को 'दुनिया का दवाखाना' कहा जाता है।

भारत ने अपने बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए सकल घरेलू उत्पाद का 1.5 फीसदी खर्च का प्रावधान किया है। गैर-सरकारी इलाज के लिए लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। किसी के कर्जाई होने के पीछे इलाज पर होने वाले व्यय एक बड़ा कारण है। इसलिए पूछना तार्किक है कि चिकित्सकों से केवल जेनेरिक दवाओं के नाम लिखने के फरमान से उपजी उनकी चिंता क्या जायज है? नई खोज से या मिश्रणों से दवा बनाने वाली कंपनी के पास उसके मूल फार्मूले का पेटेंट अलग-अलग अवधि के सालों तक रहता है और बिक्री पेटेंटेड या फिर प्रोप्राइटरी दवा के तौर पर होती है। इस दौरान यह दवा महंगी होती हैं क्योंकि इसकी खोज-अनुसंधान पर आया खर्च, क्लिनिकल टेस्ट, बिक्री-उपरांत सर्वे इत्यादि पर हुआ व्यय निकालना होता है। पेटेंट अवधि के खत्म होने के बाद, उस दवा को अलग-अलग कंपनियां बना सकती हैं और इन्हें जेनेरिक दवाएं कहा जाता है, यह सस्ती इसलिए होती हैं क्योंकि मूल दवा बनाने पर आयी तमाम लागत बच जाती है। जेनेरिक दवाएं या तो ब्रांडेड हो सकती हैं या फिर अनब्रांडेड। रोगी-पर्ची पर किसी दवा का नाम लिखते समय आपस में जुड़े यह दोनों बिंदु मौजूद होते हैं। पहला, यह कौन तय करेगा कि किसी खास उत्पादक द्वारा बनाई दवा ही इस्तेमाल करनी है और दूसरा, रोग को ठीक करने में दवा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता कितनी है।

चिकित्सकों का अखिल भारतीय संघ (आईएमए) ने जेनेरिक दवाओं के नाम लिखने को अनिवार्य बनाने वाली धारा का विरोध किया और मांग की कि सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखने के फरमान पर अमल करने से पहले दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली अभेद व्यवस्था बनाई जाये। इस ओर ध्यान दिलाया गया कि वर्तमान व्यवस्था में सरकार किसी एक दवा के लिए विभिन्न दवा उत्पादकों को अनुमति देती है। नतीजतन, आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कुछ दवाओं के सैकड़ों ब्रांड मिल जाते हैं। इनमें कुछ लघु इकाइयों में बनती हैं जिनकी गुणवत्ता संदिग्ध है। उदाहरणार्थ, पेंटो एक दवा बनाने वाली 250 से अधिक कंपनियां हैं तो 150 के ज्यादा उत्पादनकर्ता एमै उत्पादन बना रहे हैं। शायद और भी हों, क्योंकि काफी कंपनियों का नाम इंटरनेट सर्च सूची में दिखाई नहीं देता। कायदे से इनमें 0.1 फीसदी से भी कम दवाओं का गुणवत्ता परीक्षण देश में हुआ होगा। चिकित्सक संघ का कहना था कि यदि एनएमसी चाहती है कि केवल जेनेरिक दवाओं का ही इस्तेमाल हो, तब तो सरकार दवा बनाने वालों को बगैर ब्रांड नाम वाली दवा बनाने का लाइसेंस सीधे दे दिया करे। वर्तमान में चिकित्सक अपने अनुभव से एक खास ब्रांड की दवा प्रभावशीलता पाने के बाद लिखते हैं। यदि केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखेंगे तो यह कैमिस्ट पर निर्भर होगा कि वह अपने पास उपलब्ध जेनेरिक दवाओं में किसको बेचना चाहेगा। इस सूरत में जिम्मेवारी कैमिस्ट पर आ जाएगी, जो किसी दवा को विशुद्ध प्रभावशीलता के आधार पर नहीं बल्कि कतिपय कारणों से बेचना चाहेगा, मसलन, कितना मुनाफा बनेगा। एनएमसी की एक सिफारिश यह भी है कि दवाएं जन औषधि स्टोर से खरीदी जाएं, जिनके पास अक्सर बहुत किस्म की दवाएं नहीं मिलतीं। मुख्य दवा उत्पादन कंपनियां जेनेरिक दवाएं वैसे भी नहीं बनाती। भारत में दवा की गुणवत्ता को लेकर चिकित्सक प्रश्न उठाते आए हैं। एक जेनेरिक दवा से उम्मीद होती है कि वह गुणवत्ता के पैमानों पर खरी उतरे, जैसे कि कैमिकल इक्वीवेलेंट, फार्माकोकिनेटिक्स, बायोएवेलिबिल्टी, साल्यूबिल्टी चैक, सर्टलिटी, डिस्सोल्यूशन, प्योरिटी और नेचर ऑफ एक्पीएंट इत्यादि। कुछेक बड़े दवा निर्माताओं को छोड़कर, जेनेरिक दवाएं अधिकांशत: छोटी कंपनियां बनाती हैं। उनमें कुछ तो कमरे जितनी जगह में चल रही इकाइयों में बनती हैं। यानी कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर वास्तविक उत्पादन चरण तक क्वालिटी कंट्रोल और टेस्टिंग का सारा काम वहीं होता है और ऐसी इकाइयों में मानकीकरण कम ही होता है। बहुत-सी जगह, कैमिस्टों ने आमतौर पर लिखी वाली दवाएं बनाने को अपनी खुद की उत्पादन इकाइयां चला रखी हैं। विभिन्न उत्पादकों की दवा कीमतों के बीच काफी अंतर होना इस तथ्य का प्रतिपादन है कि उत्पादन प्रक्रिया एवं मानकीकरण में एकरूपता नहीं है। इंडियन फार्माकोपोइया (आईपी) एंड हाउ इट इम्पैक्ट्स ड्रग क्वालिटी नामक अध्ययन में उदाहरण देकर बताया गया है कि दवा उत्पादन करते वक्त आईपी निर्दिष्ट नियमन का पालन करने में इंटरनेशनल कांउसिल फॉर हार्मोनिसेशन ऑफ रिक्वायरमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल फॉर ह्यूमन यूज़ के दिशा-निर्देशों की अवहेलना अक्सर की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसी संस्था के मानकों को दवाओं की वैश्विक कसौटी के तौर पर मान्यता देता है। जेनेरिक दवाओं के रासायनिक समतुल्यों के लिए आईपी के मानक भी अलग-अलग हैं। वर्ष 2017 तक, जेनेरिक दवा उत्पादकों को बायोइक्वीवेलेंट अध्ययन करने की जरूरत नहीं थी। इसलिए हो सकता है बाजार में एक समान कैमिकल मॉलिक्यूल वाली दवाएं एक जैसी न हों। जेनेरिक दवा और खोज करने के बाद बनी मूल दवा में अंतर को स्थापित करने के लिए हाल में हुआ अध्ययन प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल माइकोसेस में प्रकाशित हुआ है, इसमें इट्राकोनाज़ोल नामक एंटी-फंगल एजेंट और मूल इन्नोवेटर मॉलिक्यूल के बीच तुलना की गई है।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है। कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है। सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

सक्सेस मंत्र : हर सफल व्यक्ति में होती हैं ये आदतें, आप भी जान लीजिए

आज के समय में हर व्यक्ति सफल होना चाहता है। सफलता पाने के लिए लोग मेहनत भी करते हैं, लेकिन कई बार उन्हें अपनी परिश्रम का फल नहीं मिलता है। कहते हैं कि सफल व्यक्तियों के अंदर कुछ आदतें होती हैं। अपनी इन आदतों के कारण ही वह सफल होता है। अगर आप भी जीवन में पाना चाहते हैं सफलता तो जानिए सफल व्यक्ति की ये आदतें-

1. सफल लोग एक काम में सिर्फ एक बार गलती करते हैं और अपनी गलतियों से सीखना चाहते हैं।
2. सफल लोग परेशानियों के आने से पहले ही उसका सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।
3. सफल व्यक्ति कभी किसी के बारे में बुरा नहीं सोचता है। बल्कि वह इसे समय की बर्बादी समझता है।
4. सफल व्यक्ति अपने से बड़े हर व्यक्ति का सम्मान करता है।
5. सफल लोगों का सिर्फ एक ही लक्ष्य होता है।
6. सफल लोग कल पर भरोसा नहीं करते हैं। वो जो भी करना चाहते हैं, उसे आज ही करना चाहते हैं।
7. सफल लोग खुद से अपनी तारीफ नहीं करते हैं।
8. सफल लोग किसी को भी परेशान नहीं करते हैं। वह हर व्यक्ति की मदद के लिए तैयार रहते हैं।
9. सफल लोग एक साथ कई काम कर सकते हैं।
10. सफल लोग बेहद कम गुस्सा करते हैं।
11. सफल लोग हर समय कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते रहते हैं। समय बर्बाद करना उन्हें बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता।
12. सफल व्यक्ति अपने काम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कठिन मेहनत करता रहता है। उसका सिर्फ एक ही मकसद होता है कि लक्ष्य प्राप्त करना।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बोले-सदन में कोई अध्यक्ष नहीं चाहता निलंबन, लेकिन मर्यादा जरूरी

भोपाल

संसद से 141 सदस्यों के निलंबन की कार्यवाही को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे प्रश्न का उत्तर मंगलवार को भोपाल में मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिया। उन्होंने कहा कि कोई अध्यक्ष नहीं चाहता है कि सदस्यों का निलंबन हो पर सदन की गरिमा और मर्यादा को बनाया रखना जरूरी है। सदन नहीं चलने देना है इसलिए नियोजित तरीके से व्यवधान करना लोकतंत्र के लिए अच्छी परंपरा नहीं है।

घटती बैठकों पर भी चिंता

उन्होंने संसद और विधानसभाओं की घटती बैठकों पर भी चिंता जताई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत मंत्रिमंडल के अधिकतर सदस्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम

विधानसभा के मानसरोवर सभागार में आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को लोकसभा अध्यक्ष ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनता बड़ी अपेक्षा से जनप्रतिनिधि चुनकर संसद या विधानसभाओं में भेजती है। लोकतंत्र हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक ताने-बाने में है। जिस तरीके से हमारे यहां निष्पक्षता से चुनाव कराए जाते हैं, उस पर पूरी दुनिया आश्चर्य करती है। वर्ष 2001 में सभी विधानसभाओं के अध्यक्ष और दलों के नेताओं ने सदन की बैठकें कम होने और गिरती गरिमा पर चिंता जताई थी।

प्रत्येक पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में सत्र की बैठकें बढ़ाने पर चर्चा होती है। सदन सुचारू ढंच से चले, इसकी जिम्मेदारी पक्ष और प्रतिपक्ष, दोनों की है। जितने अधिक सत्र होंगे, उतनी पारदर्शिता सरकार में आएगी। सदन में कानून बनते हैं, कानून सही हो तो विपक्ष को इसमें सहयोग देना चाहिए। इनको लेकर सार्थक बहस होना चाहिए। उन्होंने पत्रकारवार्ता में सदस्यों के निलंबन पर कहा कि कोई अध्यक्ष नहीं चाहता है कि निलंबन हो पर सदन की गरिमा और मर्यादा बनाकर रखना भी जरूरी है।

सदन में बात रखते समय जोश दिखे पर वह होश से नियंत्रित हो

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज चलन सदन में चिल्लाकर बोलने का हो गया है। यह समझा जाता है कि इससे लोग उन्हें अच्छा समझेंगे। सदन में बात रखते समय जोश दिखना चाहिए पर वह होश से नियंत्रित हो। उन्होंने मंच से ही मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव से अनुरोध किया कि ई-विधान परियोजना को मंजूरी दी जाए और विधायक विश्रामगृह पुराना हो चुका है। विधायकों की आवश्यकता के अनुसार नवनिर्माण आवश्यक है।

प्रदेश की बेहतरी का दायित्व भी हमारा

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार लोकतंत्र के मंदिर संसद की चौखट पर अपना सिर झुकाकर जो अहसास हमें कराया है उससे बड़ा प्रबोधन आज के लोकतंत्र का नहीं हो सकता है। लोकसभा हो या विधान सभा हम मतदाताओं का मान, सम्मान, भाव एवं विश्वास लेकर आते हैं। अपने क्षेत्र के साथ-साथ प्रदेश की बेहतरी का दायित्व भी हमारा होता है। मप्र के सीएम ने कहा कि एमपी विधानसभा को ई विधानसभा बनाया जाएगा।

विधानसभा का जो डर था, वो कम हुआ है

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि विधानसभा का धीरे-धीरे अवमूल्यन हुआ है। पहले विधानसभा का डर हुआ करता था पर सदन की बैठकें कम होती गईं और प्रश्नों के उत्तर भी नहीं मिलते हैं।अधिकारी मर्जी से उत्तर बनाकर भेज देते हैं। हजारों आश्वासन लंबित हैं। विकास के नाम पर राजनीति नहीं होना चाहिए।

इस कार्यक्रम में शिरकत करने लोकसभा अध्यक्ष मंगलवार सुबह कोटा से भोपाल पधारे। यह सत्र " प्रभावी विधायक कैसे बनें, संसदीय शिष्टाचार एवं आचरण विषय पर केंद्रित था, जिसमें नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय आचरण व व्यवहार के टिप्स दिए गए। इस सत्र में लोकसभा स्पीकर के अलावा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, उप्र विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी अपने विचार रखे।

इस कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने राजभवन पहुंचकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। रेलवे स्टेशन पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर मालती राय आदि ने उनकी आत्मीय अगवानी की।

भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के इलाज व पुनर्वास से जुड़े मामले में 16 को हाई कोर्ट का फैसला

भोपाल

भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के इलाज और पुनर्वास संबंधी आदेश का पालन नहीं करने के मामले में अतिरिक्त मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के दो अधिकारी अवमानना के आरोप में घिरे हैं। इन्हें अवमानना के प्रकरण में सजा होगी या राहत मिलेगी, इसका फैसला 16 जनवरी को होगा।

अवमानना से मुक्त करने का आवेदन

दरअसल, इन अधिकारियों ने अपने विरुद्ध लगे अवमानना के आरोपों से मुक्त करने का आवेदन कोर्ट को दिया है। कोर्ट इस पर अगली सुनवाई के दौरान विचार करेगी। प्रशासनिक न्यायाधीश शील नागू व न्यायमूर्ति जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष अवमानना मामले की सुनवाई हो रही है। इस मामले में कोर्ट मित्र नमन नागरथ ने कोर्ट को बताया कि सरकार मानिटरिंग कमेटी के वकील को स्वीकृति नहीं दे रही है।

उन्होंने दलील दी कि कमेटी सरकार के अधीन नहीं है। कमेटी कोर्ट के आदेश पर जांच कर रिपोर्ट पेश करती है, इसलिए सरकार और कमेटी का एक ही वकील नहीं हो सकता। कोर्ट ने सरकार को इस संबंध में अगली सुनवाई पर जवाब पेश करने के निर्देश दिए। मानिटरिंग कमेटी की अनुशंसाओं पर नहीं हुआ कोई काम सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में भोपाल गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन सहित अन्य की याचिका पर सुनवाई की थी।

हाई कोर्ट का निर्देश

गैस पीड़ितों के उपचार और पुनर्वास के संबंध में 20 निर्देश दिए थे। इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित कर मानिटरिंग कमेटी गठित करने के आदेश दिए थे। इस कमेटी को हर तीन माह में अपनी रिपोर्ट हाई कोर्ट के सामने पेश करने को कहा गया था, साथ ही रिपोर्ट के आधार पर केंद्र और राज्य सरकारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाने थे। मानिटरिंग कमेटी की अनुशंसाओं पर कोई काम न होने का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिका दायर की गई थी। गैस पीड़ितों के हेल्थ कार्ड तक नहीं बने सरकारी अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने कोर्ट के आदेश की अवहेलना की है।

अवमानना याचिका में कहा गया कि गैस पीड़ितों के हेल्थ कार्ड तक नहीं बने हैं। अस्पतालों में आवश्यकता अनुसार उपकरण व दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। बीएमएचआरसी के भर्ती नियम तय नहीं होने से डाक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ स्थाई तौर पर सेवाएं प्रदान नहीं कर रहे हैं। इस कारण पीड़ितों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट की युगलपीठ ने कहा था कि कम्प्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण की जिम्मेदारी राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की थी। प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी अतिरिक्त मुख्य सचिव मोहम्मद सुलमान की थी। युगलपीठ ने पूर्व में पारित आदेश का हवाला देते हुए कहा कि आदेश के बाद भी मानिटरिंग कमेटी को स्टेनोग्राफर तक उपलब्ध नहीं कराया।

मध्य प्रदेश के इन दो संभाग के जिलों में बारिश की संभावना

- सुबह छया रहेगा मध्यम स्तर का कोहरा

इंदौर एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है।

भोपाल में भी दोपहर बाद बूंदाबांदी के आसार हैं।

भोपाल

वातावरण में नमी मौजूद रहने से जहां प्रदेश के अधिकतर शहरों में सुबह के समय कोहरा छा रहा है, वहीं बादल भी छाए हुए हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार को इंदौर एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। भोपाल में भी दोपहर बाद बूंदाबांदी के आसार हैं। बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत से आगे बढ़ जाने के कारण मौसम साफ होने लगेगा।

साथ ही हवाओं का रुख उत्तरी होने से गुरुवार से रात के तापमान में तेजी से गिरावट होने लगेगी। बुधवार को भी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, नर्मदापुरम, सागर, जबलपुर संभाग के जिलों में सुबह मध्यम स्तर का कोहरा रहने की आशंका है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अशफाक हुसैन ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ हरियाणा के आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इसके साथ एक द्रोणिका भी संबद्ध है।

वातावरण में बड़े पैमाने पर नमी बनी रहने के कारण सुबह के समय कोहरा बना हुआ है। साथ ही कहीं-कहीं बादल भी बने हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि बुधवार को इंदौर, नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बौछारें पड़ सकती हैं।

भोपाल संभाग के जिलों में भी कहीं-कहीं बूंदाबांदी के आसार हैं। कोहरा एवं बादल बने रहने के कारण रात के तापमान में विशेष गिरावट होने की उम्मीद नहीं है।

खेल विभाग पांच वर्ष के लिए रोडमैप तैयार करेगा, एक माह में होगा खेल चिंतन कार्यक्रम

भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तात्या टोपे नगर स्टेडियम में आयोजित विभागीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने विभाग में आगामी पांच वर्ष का रोडमैप तैयार करने के लिये एक माह के अंदर दो दिवसीय 'खेल चिंतन कार्यक्रम' का आयोजन करने के निर्देश दिये। इस कार्यक्रम में खेल विशेषज्ञों व खिलाड़ियों का समूह बनाकर उनके सुझाव आमंत्रित किये जाये। उनके निष्कर्षों पर विचार कर रोडमैप तैयार किया जाये।

श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण के लिये अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये युवा शक्ति का विकास होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभाग खेल और खिलाड़ियों के

उन्नयन के साथ ही युवा कल्याण की दिशा में भी विशेष ध्यान दें। खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है। खेल में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी को भी सुनिश्चित करना होगा। खेल अधोसंरचना विकास के लिये पीपीई मोड को शामिल करने के लिये कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये।

खेल स्टेडियम के रूप में करें बदलाव

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हर जिले में खेल स्टेडियम सुनिश्चित करने के लिये सबसे पहले प्रदेश के सभी जिलों के खेल स्टेडियम की मैपिंग की जाये। इसके साथ ही नये खेल स्टेडियमों को ऑर्किटेक्ट विशेषज्ञ की सलाह अनुसार नया स्वरूप दिया जाये, ताकि खिलाड़ियों को खेलने के लिए अधिक जगह मिल सके।

भोपाल में वॉटर स्पोर्टस को मिले बढ़ावा

भोपाल के जल स्त्रोतों की पर्याप्त उपलब्धता है, इससे वॉटर स्पोर्ट्स के विस्तार में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि वॉटर जिससे को बढ़ावा मिलने से पर्यटन भी बढ़ेगा। युवाओं से संबंधित अन्य विभागों को भी साथ जोड़ें। युवा कल्याण विभाग उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, आदिम जाति कल्याण एवं पंचायत विकास विभागों के साथ समन्वय बनाये, जिससे कि युवा को खेल भावना से जोड़ा जा सके। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज, सचिव पी.नरहरि और खेल संचालक रवि कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक बीएस यादव व सीईओ केके उपाध्याय उपस्थित थे।

जहांगीरीबाद से नेहरू नगर तक बदमाशों का आतंक, 12 से अधिक कारें तोड़ी

भोपाल

राजधानी में इन दिनों शातिर बदमाशों का गिरोह घर के बाहर खड़े वाहनो को निशाना बनाकर तोड़- फोड़ कर रही है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात शातिर पांच बदमाशों ने जहांगीराबाद से नेहरूनगर के पांच किमी के क्षेत्र में हाथों में डंडे, तलवार और बैसवाल के डंडे लेकर करीब 12 कारों में तोड़फोड़ कर दी थी, इन वाहनों करीब पांच वाहन तो एसयूवी थे। इस मामले में जहांगीराबाद पुलिस ने एक मैरिज गार्डन के संचालक की शिकायत पर असल कायमी की, इधर, कमला कमला नगर पुलिस ने व्यापारियों की शिकायत को अंज्ञेय अपराध मानकर मामले में लीलापोती कर दी।इस घटना के भोपाल की कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में पुलिस के प्रति आक्रोश है और सीएम से गुहार लगाई है कि बदमाश नेहरू नगर से जहांगीराबाद तक तोड़फोड़ कर रहे हैं, बदमाशों से बचाने के लिए पुलिस कहा है।

नेहरू नगर में तोड़े छह चार पहिया वाहन

बदमाशों की नेहरू नगर में रविवार - सोमवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे घर के बाहर खड़ी कारों में स्कूटर पर सवार बदमाशों ने तोड़फोड़ करना शुरू कर दी है। वाहनों के कांच टूटने की आवाजों से आसपास के रहने वाले लोगों की नींद टूट गई, लेकिन किसी के बाहर निकलने की हिम्मत नहीं हुई, उनके हाथों में तलवार और धारदार हथियार थे। बदमाशों की वारदात के बाद सोमवार को मामले की शिकायत थाने में स्थानीय रहवासी और तोड़फोड़ के शिकार व्यपपारियों ने पुलिस से की। पुलिस ने मामले में एफआइआर दर्ज करने के वजह असंज्ञेय अपराध में इस घटना को डालकर मामले में लीपापोती कर दी है।

जहांगीराबाद में तोड़ी छह एसयूवी वाहन

शातिर बदमाशों ने पुलिस को खुली चुनौती देकर हाथों में तलवार लेकर बाइक और स्कूटर से सड़कों पर लहराकर घटना कर रहे थे। आरोपित नेहरूनगर के पहले जहांगीराबाद वसुन्धरा कालोनी में जमकर अपने साथी का जन्मदिन मना रहे थे।लोगों ने उनको शोर मचाने से मना किया तो आरोपित वाहनों में तोड़फोड़ करना शुरू कर दी है। बदमाशों ने एसयूवी के करीब पांच वाहनों में जमकर तोड़फोड़ कर तोड़ दिया। बाद में इस मामले की शिकायत मैरिज गार्डन संचालक रूपेश यादव ने की। इस मामले में शिकायत पर आरोपित पर एफआइआर दर्ज की है। इस मामले में मो रियाज, पवन यादव , राहुल यादव,नवजीत सिंह बाथम के करीब छह एसयूवी वाहन तोड़ दिए।

मुख्यमंत्री से सुरक्षा को लेकर लगाई गुहार : इन दिनों नेहरू नगर से लेकर जहांगीराबाद में इन बदमाशों के आतंक से लोग दहशत में है। लोगों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से गुहार लगाई है, बदमाश जहांगीराबाद से लेकर नेहरू नगर तक 12 कारों में हथियार लहरा कर घटना करते रहे और पुलिस कही नजर नहीं आई है। इधर , कमला नगर टीआइ निरूपा पांडे ने बताया कि एक नाबालिग समेत दो आरोपित को हिरासत में ले लिया गया है।

खेल विभाग पांच वर्ष के लिए रोडमैप तैयार करेगा, एक माह में होगा खेल चिंतन कार्यक्रम

भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तात्या टोपे नगर स्टेडियम में आयोजित विभागीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने विभाग में आगामी पांच वर्ष का रोडमैप तैयार करने के लिये एक माह के अंदर दो दिवसीय 'खेल चिंतन कार्यक्रम' का आयोजन करने के निर्देश दिये। इस कार्यक्रम में खेल विशेषज्ञों व खिलाड़ियों का समूह बनाकर उनके सुझाव आमंत्रित किये जाये। उनके निष्कर्षों पर विचार कर रोडमैप तैयार किया जाये। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण के लिये अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये युवा शक्ति का विकास होना बेहद आवश्यक है।

उद्योगपतियों से मिले CM, MP के इन जिलों में प्लांट लगाने से मिलेगा युवाओं को रोजगार

भोपाल

गोल्ड क्रेस्ट कंपनी मध्य प्रदेश के नीमच जिले में तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसका प्रस्ताव कंपनी ने दिया है। यह जानकारी कंपनी के प्रबंध निर्देशक आरएस जोशी ने मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव से भेंट कर दी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने कैप्टिव पावर प्लांट के साथ तीन मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता का सीमेंट प्लांट स्थापित करने के लिए निवेश का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश में औद्योगिक इकाई लगाने के लिए हर संभव मदद की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में उद्योगपतियों से भेंट की। फोर्स मोटर्स लिमिटेड के अध्यक्ष अभय फिरोदिया ने बताया कि कंपनी राज्य के पीथमपुर में 1987 से कार्यरत है और 4,515 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुकी है। दो हजार से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा रहा है।

पिनेकल इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डा. सुधीर मेहता ने बताया कि उनकी कंपनी पीथमपुर में 1996 से काम कर रही है और 175 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुकी है। एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। शासन ने पिनेकल मोबिलिटी साल्यूशन कंपनी को पीथमपुर में संयंत्र स्थापित करने के लिए 50 एकड़ भूमि दी है।

सागर ग्रुप के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने रायसेन जिले में संचालित पांच स्पिनिंग इकाइयों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। इससे दो हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मिला है। ग्रुप ने 200 करोड़ के निवेश के साथ बासमती चावल एवं अन्य चावल की इकाइयां भी स्थापित की हैं, जिसमें लगभग 400 लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से कहा कि सरकार रोजगार और उद्योगों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव मदद की जाएगी।

प्रधानमंत्री की रैली में आ रही बस से हुई थी दंपती की मौत

भोपाल

बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भोपाल में आयोजित रैली में आ रही बस की टक्कर से बाइक सवार मजदूर दंपती की मौत हो गई थी। इस मामले में राजधानी की एक अदालत ने नरसिंहपुर कलेक्टर को मृत दंपती के चार नाबालिग बच्चों को 44 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह राशि दो माह में छह प्रतिशत ब्याज सहित चुकानी होगी।

भोपाल के ग्राम निपानिया जाट निवासी संतोष बंशकार 14 नवंबर 2021 को अपनी पत्नी पूजा व नाबालिग पुत्र आशीष के साथ रायसेन रोड स्थित ग्राम खरबई जा रहा था। बिलखिरिया थाना के पास एक बस ने बंशकार दंपती को टक्कर मार दी थी। उपचार के दौरान पति-पत्नी की मौत हो गई थी। बस नरसिंहपुर से बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित प्रधानमंत्री की रैली में शामिल होने वाले लोगों को लेकर आ रही थी। बस को जिला कलेक्टर नरसिंहपुर द्वारा रैली के लिए अधिगृहीत किया था। पीड़ित पक्ष की तरफ से इस मामले में पैरवी करने वाले एडवोकेट रणधीरसिंह ठाकुर ने बताया कि बस का बीमा नहीं था। लंबी चली सुनवाई के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल सक्सेना ने बंशकार दंपती की मौत के मामले में बस का बीमा नहीं होने के कारण 44 लाख का मुआवजा नरसिंहपुर कलेक्टर द्वारा देने का आदेश पारित किया। दावा अधिकरण ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि वाहन घटना दिनांक को राज्य शासन के जिलाधीश नरसिंहपुर द्वारा अधिगृहीत किया गया था। इस कारण समस्त क्षतिपूर्ति दायित्व की देयता जिला कलेक्टर नरसिंहपुर की होगी।

संक्षिप्त समाचार

रेवाश्री पेट्रोलियम के परिसर में हुआ पौधारोपण

सालीचौका नरसिंहपुर। विगत दिवस वृक्ष मित्र संस्था के पौधारोपण सप्ताह के 5 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर एवं रेवा श्री पेट्रोलियम नायरा पेट्रोल पंप पिपरिया रोड नांदनेर शुभारंभ के मौके पर पौधारोपण संपन्न हुआ इस अवसर पर उपस्थित नगर परिषद सालीचौका के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र राय द्वारा वृक्ष मित्र संस्था के 5 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी गई ,साथ ही निरंतर संस्था को सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया, दीपक कुमार गुप्ता एवं योगेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में वृक्ष मित्र संस्था के विगत 5 वर्षों के पौधारोपण में सहयोग करने वाले सभी वृक्ष मित्रों,पत्रकारों का आभार प्रकट किया एवं रेवाश्री पेट्रोलियम के संचालक को शुभकामनाएं दी एवं रेवाश्री पेट्रोलियम के संचालक पराग तिवारी एवं मयंक तिवारी द्वारा उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं वृक्ष मित्र साथियों का आभार प्रकट किया ,वृक्ष मित्र संस्था के द्वारा पराग तिवारी एवं मयंक तिवारी को तुलसी के पौधे भेंट किया पौधारोपण कार्य म में सर्वश्री खेमचंद शास्त्री , रामनारायण बड़कुर, सालीचौका नगर परिषद कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र राय, रामदयाल पटेल, जयप्रकाश वर्मा, गजराज रुहेला, दुर्गा पटेल, गनेश शर्मा पार्षद , शशिकांत तिवारी, अजय पटेल, ओंकार साहू, वृक्ष मित्र साथियों में धनराज विश्वकर्मा ,उमाशंकर राय ,विनोद कुमार ,उमाकांत गुर्जर , रमाकांत गुर्जर, कृष्णकांत रजक, देवेंद्र पटेल सहित अनेक वृक्ष मित्र उपस्थित थे कार्य म का संचालन संतोष अग्रवाल एवं आभार पराग तिवारी द्वारा किया गया।

नर्मदा शुगर मिल. तिरुपति राईस मिल में केबिनेट मंत्री का किया स्वागत

सालीचौका नरसिंहपुर। गत दिवस नर्मदा शुगर मिल संचालक राजेश महेश्वरी चाचाजी और आड़ेगांव कला व आसपास के ग्राम वासियों द्वारा कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन सड़क की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया, ग्राम वासियों का कहना है कि 20 गांव की ग्रामवासी सड़क से जुड़े सड़क नहीं बनने के कारण बहुत अधिक परेशानी होती है आने जाने में बहुत परेशानी होती है ज्ञापन देने वालों में राजेश महेश्वरी चाचाजी नर्मदा शुगर मिल ?, संतोष राजपूत गजराज रुहेला शमशेर राजपूत महेंद्र सिंह तोमर यशवंत पटेल और बड़ी संख्या में ग्राम वासी मौजूद रहे। वही तिरुपति राइस मिल कार्यालय. पोड़ार चौराहा (सालीचौका) में कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री से जितेन्द्र राय (जितू भैया) पार्षद,युवा नेता सालीचौका के सानिध्य में व्यक्ति गत मुलाकात के दौरान मंत्री श्री सिंह का पुष्पहार से स्वागत किया इस दौरान शिक्षक- लालजी प्रसाद कपाड़िया,मानकलाल अहिरवार,बंशीलाल अहिरवार एवं परसराम अहिरवार सहा.सचिव द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। साथ ही मिल संचालक जितेंद्र राय (जितू भैया) द्वारा उपस्थित साथियों का मंत्री से व्यक्ति गत रूप से परिचय कराया गया।

इंद्रानगर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

खरगोन। इंदिरानगर स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में खरगोन में मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में नोडल अधिकारी मानसिक स्वास्थ्य के डॉ रितेश गुर्जर द्वारा सेवाए दी जाएगी। शिविर के दौरान नींद न आना, चिडचिडापन, चिंता, आवसाद आदि से सम्बंधित नागरिक अपना स्वास्थ्य परिक्षण एवं निदान करवा सकेंगे।

दिव्यांगजनों को लॉटरी के माध्यम से मकानों का आवंटन किया गया

उज्जैन। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ए.एच.पी.घटक (भागीदारी में किफायती आवास) अंतर्गत नगर निगम द्वारा कानीपुरा क्षेत्र में निर्मित ई.डब्ल्यू.एस आवासीय इकाइयों में दिव्यांग श्रेणी हेतु आरक्षित शेष रहे 06 आवासों का आवंटन सोमवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, क्षैत्रीय पार्षद श्री बबिता घनश्याम गौड के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

कानीपुरा क्षेत्र में निर्मित ई. डब्ल्यू.एस. आवासीय इकाईयों में दिव्यांग श्रेणी हेतु आरक्षित शेष रहे 06 आवासों के संबंध में प्राप्त कुल 12 आवेदनों की लॉटरी दो पृथक-पृथक भाग में कानीपुरा मल्टी परिक्षेत्र ब्लॉक ए-बी हेतु निकाली गई। जिसमें श्री कौशल पिता मोतीलाल, श्री सत्यनारायण सोलंकी, श्री पप्पु सिंह चावड़ा, श्री धर्मेन्द्र बाबूलाल, श्री शांतिलाल प्रताप सिंह, श्री सतीश पुरोहित को मकान का आवंटन किया गया। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत मंछामन स्थित मल्टी का कार्य भी शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि वहां भी पात्र हिग्राहियों को मकानों का आवटंन किया जा सके। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री जितेन्द्र कुवाल, श्री कैलाश प्रजापत, श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, झोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाहा, पार्षद श्री गब्बर भाटी, श्री राजेश बाथम, अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई, कार्यपालन यंत्री श्री जगदीश मालवीय उपस्थित रहे।

देर रात तक कवियों ने किया काव्य पाठ

कार्तिक मेला अंतर्गत रविवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देर रात तक कवियों द्वारा काव्य रचना का पाठ किया गया। महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्यआतिथ्य में

आयोजित कवि सम्मेलन में समाजसेवी श्री रूप पमनानी, श्री मनोज मालवीय विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मलित हुए। संयोजक श्री सुरेंद्र मेहर, एमआईसी सदस्य श्री रजत मेहता, श्री कैलाश प्रजापत, झोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, पार्षद श्री पंकज चौधरी, श्री दिलीप परमार, अपर आयुक्त श्री आदित्य नागर द्वारा कवियों को पुष्पमाला पहना कर स्वागत किया गया।

कवि सम्मेलन में श्री वेदव्रत वाजपेयी, वीररस, लखनऊ, डॉ. कमलेश राजहंस, गीतकार, बनारस, श्री जॉनी बैरागी, हास्य, राजौद, पं. अशोक नागर, हास्य, शाजापुर, श्री कुलदीप रंगीला, व्यंग, देवास, श्री गौरव चौहान पैरोडी (जीटीवी फेम), नई दिल्ली, श्वेता सिंह, श्रृंगार गजल, बड़ौदा, श्री राहुल शर्मा, वीररस, खोरिया एमा, श्री पंकज प्रसून, गीतकार, धार, श्री नीरज निखिल, वीररस, कन्नौद, डॉ. ओम बैरागी, उन्हेल द्वारा रचना का पाठ किया गया एवं कवि सम्मेलन का संचालन श्री दिनेश दिग्गज द्वारा किया गया।

मावठे और तेज ठंड के बीच खूब दाद बटोरी स्थानीय कवियों ने

नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित कार्तिक मेले में मावठे और तेज ठंड के बीच स्थानीय कवि सम्मेलन में कवियों ने खूब दाद बटोरी। यह जानकारी देते हुए कवि सम्मेलन समिति के संयोजक श्री पंकज चौधरी ने बताया कि नगर के वरिष्ठ कवि श्री गिरिधरलाल नीमा को महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, एमआईसी सदस्य श्री रजत मेहता, श्री कैलाश प्रजापति, झोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, श्री सुरेंद्र मैहर ने शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया। अभिनंदन पत्र का वाचन श्री अरविंद उपाध्याय ने किया।

कविवर जीवनलाल उपाध्याय की स्मृति एवं स्व. कवि श्री रामनारायण कुवाल को समर्पित इस कवि सम्मेलन के प्रारंभ में सरस्वती वंदना आशीष श्रीवास्तव अश्क ने की। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ कवि डॉ. स्वामीनाथ पांडेय, एवं मुख्य अतिथि श्री कमल चौधरी थे। कवि सम्मेलन में सर्वश्री सुभाष शर्मा, हाकम पांचाल अनुज, संतोष सुपेकर, कलमोदिया, दुलीचंद प्रजापति, राजेश दीपक, कमल सिंह राही, शमशाद खान, दिनेश तिवारी, रामचंद्र शर्मा, बृजमोहन ब्रज, सुरेंद्र सत्संगी, देवांश चतुर्वेदी, उमर खान, आदि ने काव्य पाठ किया।

स्कूल की रजत जयंती पर वार्षिकोत्सव सम्पन्न

नन्हे मुन्ने बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

खंडवा। शिक्षक नगर स्थित ललित कला मांटेसरी स्कूल की रजत जयंती पर वार्षिकोत्सव क्षैत्र विधायक कंचन मुकेश तनवे के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती अनिता केप्ररिहन, जया केप्ररिहन विशेष आतिथ्य में मनाया गया।कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती जी की चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्जवलित कर हुआ।

इस मौके पर विभिन्न कक्षा के विधार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे ने अपने उदबोधन में विधार्थियों और शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं प्रेषित की। संरक्षक श्रीमती शकुंतला राठौर, अनुराग राठौर, सिमरन? बखूशी सेठी, प्रीति तिवारी, सुनीता पाटिल, सुजाता शर्मा, नेहा प्रजापति, प्रीति धनवरिया, प्रिया थदानी, अवन्तिका वर्मा, दीक्षा वर्मा, योगिता शर्मा, रितु गुप्ता, नीलम जोशी, रैना गढ़वाल, प्रियंका बान, भूतपूर्व छात्र इशा पाटिल, नोमान, अमी केप्ररिहन, सागर चक्रवर्ती, केविन कोशी, गिरिश वासवानी को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. पिंकी राठौर ने विधालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बेस्ट कपल, हेल्दी बेबी शो, बेस्ट ग्रैंड पेरेंट्स स्पर्धा का आयोजन हुआ। जिसमें निर्णायक डॉ गरिमा वर्मा,पूनम भारती, प्रियंका पटेल, नीतू जैन थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती पाराशर एवं रिक्षिका गोस्वामी ने किया। इस अवसर पर जय नागड़ा, अमरेन्द्र सिकरवार, संदेश गुप्ता, भरत झंवर, धर्मेंद्र झंवर, अतुल अत्रिवाल, उमा पाठक, आरती जैन, कामनी बखूशी, आशा हडाऊ, मोनिया सेठी, कंचन अत्रिवाल, अरूणा राठौर, वंदना गुप्ता, सुदीपा पाराशर, अनामिका अग्रवाल, मीना गिरी उपस्थित रहे। अन्त में आभार प्रीति तिवारी ने माना।

औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित 18 सफाई कर्मचारियों को नोटिस भेजा गया : गौरव यादव

नागदा। स्वास्थ शाखा के सभापति श्री गौरव जी यादव द्वारा नगर के 6 झोंन में औचक निरीक्षण किया गया जिसमें झोन क्र 10 में 12 कर्मचारि अनुपस्थित । झोन क्र 06 में 2 कर्मचारी अनुपस्थित झोन क्र 03 में 4 कर्मचारी अनुपस्थित रहने पर कुल 18 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया । यादव ने पुराने बस स्टैंड पर ठेला चालक को डस्टबिन का उपयोग करने को कहा और वार्ड क्र 25 ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रांसपोर्ट व्यापारियों गेरेज व्यापारियों से अपील की है कि अपने अनुउपयोगी वाहनों को हटाए व नागदा को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करे। मेटो को सभी वार्डो की नालिया व घर के पीछे की बेकलेन को साफ करने हेतु आदेशित किया गया एवं गंदगी करने एवम् कचरा फेकने वाले पर चलानी कार्यवाही हेतु सख्त आदेश दिए। सभी कर्मचारी अगर कार्य समय पर उपस्थित न होने की स्थति पर बायोमेट्रिक अटेंडेंस पर लागू किया जाएगा। श्री यादव ने नगरवासियों से अपील की है कि नागदा सभी के सहयोग से ही स्वच्छता में नंबर01 बनेगा आप सभी नागदा को स्वच्छ बनाने में नपा का सहयोग प्रदान करे व नागदा को स्वच्छ बनाने में अपना सुझाव भी देवे।

जन समुदाय को शीत लहर (शीतघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवायजरी जारी

खरगोन। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी अनुमान के अनुसार शीतकालीन मौसम में प्रदेश के अधिकांश भागों में सामान्य से न्यूनतम तापमान होने की संभावना है। अतः सभी जिला प्राधिकरणों तथा संबंधित सभी विभागों द्वारा प्रदेश में संभावित शीत लहर (शीतघात) के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुये इससे होने वाली क्षति को कम करने के लिये विभागीय एवं जिला स्तर पर सभी आवश्यक कदम उठाए जायें। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला शीत लहर (शीतघात) कार्य योजना तैयार की जाये। प्रत्येक स्तर (जिला, तहसील, ब्लॉक, विभाग) पर शीत लहर प्रबंधन के लिये एक नोडल अधिकारी नामांकित किया जाये। भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा जारी शीत लहर चेतावनी को जिला कमांड और नियंत्रण केंन्द्र के माध्यम से जन सामान्य तथा संबंधित विभागों तक पहुँचाने के लिये आवश्यक व्यवस्था की जाये।

शीत लहर से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों से संबन्धित सुझाव का प्रचार प्रसार होर्डिंग तथा प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, स्थानीय केबल टीवी नेटवर्क, एफएम, सामुदायिक रेडियो से किए जाने की व्यवस्था की जाये। बेघर/प्रभावित लोगों को आश्रय गृहों में स्थानांतरित किया जाये। बेसहारा एवं बेघर व्यक्ति सड़क/मैदान में पाये जाने पर अलाव की व्यवस्था की जाये। स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से कम्बलों की व्यवस्था कर उन्हें वितरित किया जाये। स्कूल तथा शैक्षणिक संस्थाओं का कार्य समय, भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा शीत लहर से संबन्धित दी गई चेतावनी अनुसार आवश्यकतानुसार एवं विधिवत स्कूल खुलने के समय में परिवर्तन करने हेतु आवश्यक आदेश जारी किए जायें। जिले में स्थित सभी शासकीय अस्पतालों में शीत लहर प्रभावितों के उपचार के लिये विशिष्ट कार्य योजना बनाई जाये।

शीतलहर से पहले क्या करें : सर्दियों के कपड़े पर्याप्त मात्रा में रखें। कपड़ों की कई परतें पहनना भी लाभदायक रहता है। आपातकालीन आपूर्तियों के लिए सभी जरूरी सामान तैयार रखें।

शीतलहर के दौरान क्या करें : जितना संभव हो, घर के अंदर रहें। ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। अपने शरीर को सुखाकर रखें। यदि कपड़े गीले हो जाएँ, तो उन्हें तुरंत बदलें। इससे शरीर की उष्मा बनी रहेगी। मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। नियमित रूप से गर्म पेय पिएं। बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ख्याल रखें। शीतदंश के लक्षणों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, कानों की लोब और नाक की नोक पर सुन्नता, सफेदी या पीलेपन के प्रति सजग रहें।

रंगबिरंगी आतिशबाजी के मध्य मनेगा दुर्गेश्वर शिव मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस

खंडवा। किशोर नगर एलआईजी स्थित मां दुर्गाधाम मंदिर में स्थापित दुर्गेश्वर शिव मंदिर का स्थापना दिवस पं. सुधाकर चौरे दादा के सानिध्य में पौष शुक्ल प्रतिपदा 12 जनवरी को मनाया जायेगा। यह जानकारी देते हुए समिति प्रवक्ता निर्मल मंगवानी ने बताया कि इस मौके पर दुर्गेश्वर शिव मंदिर में प्रथम स्थापना दिवस एवं अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के अवसर 10 दिनों तक निरंतर आयोजन होंगे। आयोजन को लेकर मंदिर क्षेत्र को भगवामय किया जा रहा है। वही श्रद्धालुओं की उपस्थिति में रंगबिरंगी गगनभेदी आतिशबाजी के मध्य महाकाकड़ा आरती के मध्य मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस श्रध्दा एवं आस्थापूर्वक मनाया जायेगा। क्षेत्र के भजन गायक दीपक तांबट एवं साथी कलाकारों द्वारा पांच आरतियों के साथ सुंदर संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालुजनों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आयोजन का लाभ लेने की अपील समिति के सदस्यों, दुर्गा धाम मंदिर महिला मंडल की मातृशक्ति व्दारा की गयी है।

निशुल्क हृदयरोग,नेत्ररोग निदान शिविर में 576 मरीज ने लिया लाभ

कैबिनेट मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर किया शिविर का शुभारंभ

सालीचौका नरसिंहपुर। गत दिवस समाजसेवी जिनेश जैन ने अपनी माताश्री स्वर्गीय श्रीमती शशि देवी जैन की 13वी पुण्य स्मृति में प्रत्येक वर्षाअनुसार कामती स्थित स्वयं के फार्म हाउस पर निशुल्क हृदय रोग एवं नेत्ररोग निदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री माननीय राव उदय प्रताप सिंह ने स्वर्गीय श्री शशि देवी जैन के तेल चित्र के समक्ष दीप प्रचलित कर श्रद्धांजलि देते हुए शिविर का शुभारंभ कराते हुए कहा कि इस मेडिकल कैंप के आयोजन जिनेश जैन एवं उनके पूरे परिवार श्रीमती राशि जैन, सजल, प्रांजल जैन को शुभकामनाएं देता हूं लोग अपने लिए तो सब कुछ करते हैं।

और करना भी चाहिए लेकिन दूसरों के हित में आपके द्वारा निशुल्क कैंप करना जनमानस के लिए के लिए बहुत अच्छा है मैं सभी डॉक्टरों एवं उनकी टीम द्वारा अपनी सेवाएं देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा,पूर्व विधायक पंडित दीनदयाल ढिमोले,साधना स्थापक,प्रदीप पटेल चारगांव का जिनेश जी जैन एवं उनके परिवार द्वारा साल श्रीफल से सम्मान किया गया इस मौके पर उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों,जनप्रतिनिधियों उपस्थित सभी जनों ने माताश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर में विश्व ख्याति प्राप्त हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ प्रमोद मुंदड़ा,विश्व ख्याति प्राप्त नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉक्टर पवन स्थापक जी की टीम ने सैकड़ो मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें लाभ पहुंचाया। शिविर में मोतियाबिंद के करीब 68 मरीजों को चिन्हित कर जबलपुर नेत्रश्री हॉस्पिटल निशुल्क ऑपरेशन के लिए ले जाया गया।

डॉक्टर डीएस चौधरी,डॉक्टर उमाशंकर दुबे,डॉ अरविंद जैन,डॉक्टर संगीत जैन, डॉक्टर संदीप फणसरकल ने सामान्य मरीजों का उपचार किया सभी मरीज को निशुल्क दवा एवं भोजन शिविर में प्रदान की गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत हुआ शुभारंभ

खरगोन। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन की राष्ट्रीय सेवा योजना महिला एवं पुरुष इकाई के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर ग्राम नंदगाँव बगुद में किया जा रहा है। द्वितीय सत्र उद्घाटन समारोह में ग्राम पंचायत नंदगांव बगुद के पूर्व सरपंच श्री लाल पाटीदार ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक गांव में जाकर विभिन्न शासकीय योजनाओं का प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक करेंगे। जिसके लिए मैं सभी स्वयंसेवकों का सदैव आभारी रहूंगा कि मेरे गांव की जनता को महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूक किया। आकाशवाणी कलाकार श्री तोताराम अमोदे ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाती है। जो विद्यार्थी शिविर में सहभागिता कर रहे हैं उनको निश्चित ही कुछ ना कुछ सीखने को मिलेगा और उनके व्यक्तित्व का

विकास होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठन डॉ. सुरेश आवासे ने शिविर की संपूर्ण दिनचर्या को अवगत कराते हुए कहा कि स्वयंसेवक प्रतिदिन समय सारणी अनुसार योग, व्यायाम, श्रमदान और सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लेकर शिविर को सफल बनाएंगे। महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सावित्री भगोरे ने शिविर के उद्घाटन समारोह का आभार माना। शिविर कार्यक्रम में हॉस्टल श्री सीयाराम डावर, श्री लोकेश पाटीदार, श्रीमती प्रमिला भावसार, वरिष्ठ स्वयंसेवक महेंद्र भावरे, सावन धनगर, श्रेया सेन, पूजा सोलंकी, साक्षी पाटीदार, रुचिका पाटीदार, हर्ष राठौड़, गौतम भालसे आदि उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरी दुनिया में उत्साह, 160 देशों में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

वेटिकन सिटी-कंबोडिया-यरूशलम का अध्ययन करने के बाद तैयार हुआ अयोध्या का मास्टर प्लान

नई दिल्ली। रामोत्सव 2024 की धूम इस समय पूरी दुनिया में देखने को मिल रही है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भारत समेत दुनिया के 160 देशों में 22 जनवरी को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस बीच अयोध्या नगरी का विकास भी तेजी से जारी है।

अयोध्या का मास्टर प्लान तैयार करने वाली टीम ने वेटिकन सिटी, कंबोडिया, यरूशलम सहित विदेश में इसी तरह के उदाहरणों तथा भारत के तिरुपति और अमृतसर जैसे स्थानों का अध्ययन करने के बाद अवधपुरी के विकास की रूपरेखा बनाई है। दूसरी ओर, योगी सरकार ने रामलला की किलकारियों के साक्षी रहे दशरथ महल को संवार दिया है।

जहां तक रामोत्सव की धूम की बात है तो आपको बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के भव्य शुभारंभ और श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की सिर्फ उत्तर प्रदेश और देश में ही नहीं, बल्कि यूरोप से लेकर अमेरिका तक धूम है। इस आयोजन को लेकर पूरी दुनिया में उत्सव का माहौल बन चुका है। ये उत्सव सिर्फ अयोध्या या भारत में ही नहीं बल्कि अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर से लेकर यूरोप के एफिल टावर तक देखने को मिलेंगे। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 21 जनवरी को राम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पूरे यूरोप से एक हजार लोग एकत्रित होंगे। साथ ही एफिल टावर के पास उत्सव मनाया जाएगा। इसी तरह अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर राम मंदिर भूमि पूजन की तर्ज पर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव के आयोजन का फैसला लिया गया है। यही नहीं, अमेरिका में कैलिफोर्निया के साथ ही वाशिंगटन, शिकागो और अन्य शहरों में विशाल कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्राण प्रतिष्ठा भारतीय समयानुसार दोपहर लगभग 12.30 बजे होगी। उस समय पेरिस में सुबह और अमेरिका में देर रात का समय होगा। हिंदुओं के आराध्य भगवान राम के मंदिर की स्थापना का जो सपना राम भक्तों ने देखा था वो 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अब साकार होने जा रहा है। ऐसे में दुनिया भर के रामभक्त इस अवसर पर अपने-अपने तरीके से जश्न मना रहे हैं। इसी क्रम में 21 जनवरी 2024 को पेरिस में राम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर पेरिस में रहने वाले अविनाश मिश्रा नाम के यूजर ने राम रथ यात्रा के बारे में डिटेल साझा की है। उन्होंने लिखा है, %फ्रांस में रहने वाले हम भारतीय पूरे पेरिस में राम रथ यात्रा और एफिल टावर पर बड़े पैमाने पर उत्सव का आयोजन करके अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल होंगे।

ईसीपी का फैसला रद्द; पर इमरान को लगा झटका

चुनाव चिह्न पर पेशावर हाईकोर्ट से पीटीआई को राहत

इस्लामाबाद। आम चुनावों से पहले इमरान खान की पार्टी को पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने चुनाव आयोग (ईसीपी) के उस फैसले को असंवैधानिक बताया है, जिसमें उसने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी के चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट को रद्द कर दिया था और पार्टी के आंतरिक चुनावों को खारिज कर दिया था।

देश के एक प्रमुख अखबार की खबर के मुताबिक, पेशावर उच्च न्यायालय ने ईसीपी को निर्देश दिया कि वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को उसके क्रिकेट बैट का चुनाव चिह्न वापस लौटाए और पार्टी के आंतरिक चुनाव का प्रमाणपत्र अपनी वेबसाइट पर डाले। उच्च न्यायालय से यह फैसला ऐसे समय में सामने आया है, जब पार्टी ने सर्वोच्च न्यायालय से चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट की बहाली की मांग वाली अपील वापस ली है। ईसीपी ने 22 दिसंबर को फैसला दिया था कि पीटीआई आम चुनाव के लिए अपना चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट बरकरार नहीं रख सकती। उसने यह भी कहा था कि पीटीआई अपने मौजूदा संविधान और चुनाव कानूनों के तहत पार्टी के भीतर चुनाव कराने में विफल रही है। न्यायमूर्ति एजाज अनवर और न्यायमूर्ति अरशद अली की दो सदस्यीय पीएचसी पीठ ने ईसीपी के फैसले को गलत बताया। पीटीआई ने 26 दिसंबर को ईसीपी के आदेश के खिलाफ पेशावर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और एक सदस्यीय पीठ ने नौ जनवरी तक पार्टी के चुनाव चिह्न को बहाल कर दिया था। 30 दिसंबर को ईसीपी ने उच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर की। जिसमें दलील दी गई कि अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। इसके कुछ दिन बाद पीटीआई को बड़ा झटका देते हुए उच्च न्यायालय ने ईसीपी के आदेश को बहाल कर दिया था और पार्टी से उसका चुनाव चिह्न फिर से छीन लिया। इसके बाद पीटीआई ने ईसीपी के फैसले की बहाली के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। इससे एक दिन पहले पीटीआई के वकील बैरिस्टर अली जफर ने पेशावर उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी थी कि चुनाव आयोग केवल लिखित प्रमाण पत्र रखने वाला निकाय है और उसके पास किसी पार्टी का चुनाव चिह्न छीनने का अधिकार नहीं है। पीटीआई और ईसीपी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों द्वारा लगभग पांच घंटे तक चली बहस के बाद पीठ ने सुनवाई बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी थी। न्यायमूर्ति अनवर और न्यायमूर्ति अली ने सुनवाई की अध्यक्षता की, जहां पीटीआई के आंतरिक चुनावों को चुनौती देने वालों के वकीलों को अपनी दलीलें पेश करनी थीं। फैसले की घोषणा के बाद पेशावर उच्च न्यायालय के बाहर मीडिया से बात करते हुए पीटीआई के वकील जफर ने कहा, अब, पीटीआई को ये चुनाव जीतने से कोई नहीं रोक सकता।

इक्वाडोर में अलग-अलग इलाकों से सात पुलिस अधिकारी किडनैप

क्वीटो। दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर में एक अजीबो-गरीब घटना सामने आई है, जहां आरोपियों ने सात पुलिस अधिकारियों को ही किडनैप कर लिया। देश में सोमवार को 60 दिनों के लिए आपातकाल की घोषणा की थी, जिससे देश में हिंसाएं बढ़ गई हैं। सात पुलिस अधिकारियों का अपहरण देश के अलग-अलग इलाकों से किया गया है। बता दें, तीन पुलिस अधिकारियों को दक्षिणी शहर मचला से, चौथे अधिकारी को क्विटो से तो अन्य तीन अधिकारियों को लोस रियोस प्रांत से बंधक बनाया गया है। एक अन्य घटना में कुछ बंदूकधारियों ने एक टीवी चैनल के स्टूडियो में घुसकर वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों को धमकाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नकाबपोश बंदूकधारी टीसी टेलीविजन नेटवर्क के स्टूडियो में घुस आए और लाइव टेलीकास्ट के दौरान कहा कि उनके पास बम है। इस दौरान लाइव टीवी पर गोलियां चलने की आवाज भी सुनी गई। संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं। मंगलवार को वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ने बताया कि स्वास्थ्य परेशानियों के चलते ऑस्टिन एक जनवरी को अस्पताल आए थे। तब से उनका अस्पताल जारी है।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सुप्रीम कोर्ट के जज ने दिया इस्तीफा, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को लिखा पत्र

इस्लामाबाद। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया। एक दिन हले शीर्ष अदालत की अनुशासन समिति ने कदाचार के लिए उनके खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को एक पत्र लिखकर न्यायमूर्ति सैयद मजहर अली अकबर ने अपना इस्तीफा दे दिया। इसमें उन्होंने कहा कि वह जिस तरह के आरोप उनके खिलाफ लगाए गए और जिस तरह से उनके साथ व्यवहार किया गया, उनके बीच वह अपने कर्तव्यों को आगे नहीं बढ़ा सकते।

उन्होंने कहा, पहले लाहौर उच्च न्यायालय और फिर पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होना और सेवा देना सम्मान की बात थी। लेकिन, ऐसी परिस्थितियों में, जो सार्वजनिक जानकारी और कुछ हद तक सार्वजनिक रिकॉर्ड का मामला है, मेरे लिए पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में काम करना जारी रखना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, उचित प्रक्रिया के विचार भी मजबूर करते हैं। इसलिए मैं आज पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा देता हूं। मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीश नकवी के कथित कदाचार को लेकर सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) में उनके खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अनुरोध को खारिज कर दिया था। दिसंबर में मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा और शीर्ष अदालत के सभी न्यायाधीशों को लिखे एक पत्र में न्यायमूर्ति नकवी ने कहा था कि एसजेसी द्वारा उनके साथ किया गया व्यवहार अपमान से कम नहीं है।

श्रीलंका में जल्द शुरू होगी यूपीआई प्रणाली, पिछले साल दोनों देशों के बीच हुआ था समझौता

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के साथ यूपीआई भुगतान प्रणाली को जल्द शुरू करने पर चर्चा की। भारत के उच्चायुक्त संतोष झा और सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका (सीबीएसएल) के गवर्नर डॉ. नंदलाल वीरसिंघे के बीच हुई बैठक में इसके क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। बैठक के बाद संतोष झा ने कहा, गवर्नर के साथ बैठक में दोहराया गया कि श्रीलंका के आर्थिक सुधार में भारत एक दृढ़ भागीदार बना रहेगा। श्रीलंका में यूपीआई भुगतान प्रणाली के शीघ्र लॉन्च, भारतीय रुपये के जरिये व्यापार में वृद्धि और श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पर सकारात्मक चर्चा हुई।

मालूम हो कि जुलाई 2023 में दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) स्वीकृति के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों ने यूपीआई और लंका पे को जोड़कर फिनटेक सेक्टर कनेक्टिविटी पर काम करने की प्रतिबद्धता जताई थी। भारत-श्रीलंका ने मिलकर रेलवे नेटवर्क को उन्नत करने के लिए पूरे द्वीप राष्ट्र में 9.127 करोड़ डॉलर की लागत से कई कार्य शुरू किए हैं।

अधिकारियों पर हमला: जांच एजेंसी ने बयान दर्ज कराने से किया इनकार, बंगाल पुलिस का दावा

नई दिल्ली। बंगाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आरोप लगाया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के उप निदेशक ने पांच जनवरी को हुई संदेशखाली घटना के संबंध में बुधवार को उन्हें बयान देने से इनकार कर दिया। जांच एजेंसी के सीजीओ कार्यालय से निकलते समय डीएसपी सानंद गोस्वामी ने संवाददाताओं से कहा कि हम शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के लिए यहां आए थे। हालाँकि, उन्होंने अपना बयान देने से इनकार कर दिया। हमने एजेंसी के अधिकारियों को तीन बार नोटिस भेजा है।

गोस्वामी ने आगे बताया कि बंगाल पुलिस रविवार को ईडी कार्यालय भी गई थी, लेकिन ईडी अधिकारी का बयान दर्ज करने में असमर्थ रही। यह दूसरी बार है जब हम कार्यालय का दौरा कर रहे हैं, लेकिन शिकायतकर्ता किसी तरह उपलब्ध नहीं है। हमें सूचित किया गया कि वह अन्यथा व्यस्त है।

हमारा इरादा प्रवर्तन निदेशालय के उप निदेशक का बयान दर्ज करना था, जो इस मामले में शिकायतकर्ता हैं। बंगाल पुलिस ने 7 जनवरी को संदेशखाली घटना के संबंध में स्वतंत्र रूप से तीन एफआईआर दर्ज कीं। 5 जनवरी को उत्तर 24 परगना के संदेशखाली जिले में प्रवर्तन निदेशालय के कई सदस्य घायल हो गए थे. अर्धसैनिक बलों के साथ, उन पर तृणमूल कांग्रेस विधायक शाहजहाँ शेख के समर्थकों ने हमला किया।

सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखी दिवंगत मुशर्रफ की मौत की सजा, बीते साल हुआ था पूर्व राष्ट्रपति का निधन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक विशेष अदालत द्वारा 2019 में दिवंगत राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को मौत की सजा सुनाने के फैसले को बरकरार रखा है। पाकिस्तान के आखिरी सैन्य शासक 79 वर्षीय मुशर्रफ की मौत पांच परवरी 2023 में दुबई में हुई थी। वह अपने देश में आपराधिक आरोपों से बचने के लिए 2016 से ही दुबई में रह रहे थे।

पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा के नेतृत्व में चार सदस्यीय बेंच ने सुनवाई की। 17 दिसंबर 2019 में पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की सरकार के दौरान मुशर्रफ के खिलाफ 2007 में असंवैधानिक फैसले लेने और आपातकाल की घोषणा करने के लिए एक विशेष अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी।

उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे खड़गे और सोनिया गांधी, कांग्रेस ने कहा- मंदिर का राजनीतिकरण हो रहा है

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया है। कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उसके नेता शामिल नहीं होंगे। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को दिया गया था। हालांकि, कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि यह भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम है। इसलिए हम इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मंदिर के नाम पर राजनीतिकरण हो रहा है। कांग्रेस ने कहा कि ससम्मान पूर्वक न्योता अस्वीकार कर रहे हैं। अधीर रंजन चौधरी भी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस की ओर से दावा किया गया है कि चुनावी लाभ के लिए इस तरीके का समारोह कराया जा रहा है। अधूरे मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। कांग्रेस ने अपने बयान में कहा कि हमारे देश में लाखों लोग भगवान राम की पूजा करते हैं। धर्म एक निजी मामला है। लेकिन आरएसएस/बीजेपी ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिक प्रोजेक्ट बनाया है। भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन स्पष्ट रूप से चुनावी लाभ के लिए किया गया है। 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए और भगवान राम का सम्मान करने वाले लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी और श्री अधीर रंजन चौधरी ने स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा कार्यक्रम के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार रोकने के लिए हूतियों ने सात हफ्ते में किए 26 हमले

वॉशिंगटन। लेबनान के ईरान समर्थित संगठन हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बाधित करने की कोशिशें जारी रखी हैं। इस्राइल-हमास में जारी संघर्ष के बीच हूती बीते सात हफ्तों में इस व्यापार मार्ग पर 26 बार हमले कर चुके हैं। इस दौरान इस संगठन ने 18 ड्रोन लॉन्च किए। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने और ब्रिटिश सेना ने इन ड्रोन्स के साथ-साथ लेबनान से दागी गई दो एंटी शिप क्रूज मिसाइलें और एक एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल को भी मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से जारी बयान के मुताबिक, हूतियों ने ईरान द्वारा डिजाइन्ड ड्रोन्स और मिसाइलों से हमला किया। इनकी तरफ से दक्षिण लाल सागर को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले को नाकाम कर दिया गया। गौरतलब है कि इस्राइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से ही हूतियों ने इस्राइल समर्थक पश्चिमी देशों को चेतावनी दे दी थी। संगठन की तरफ से लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए जा रहे शिप-कंटेनरों को निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों और इस्राइल की सुरक्षा के मद्देनजर अमेरिका और पश्चिमी देशों के समूह ने मार्ग की सुरक्षा के लिए समझौता किया और अपने कई हथियारों को इस क्षेत्र में तैनात किया है।

इस्राइली हमले में तीन हिजबुल्लाह कमांडरों की मौत, लेबनानी आंतकी संगठन ने आईडीएफ मुख्यालय पर किया हमला

तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच लेबनान सीमा पर भी तनाव बढ़ गया है। इस्राइली हमले में तीन हिजबुल्लाह कमांडरों की मौत हो गई। इसके अलावा, हिजबुल्ला के भी एक ड्रोन ने इस्राइली सेना के उत्तरी कमान पर हमला किया। बता दें, इस्राइल और हमास आंतकी सात अक्तूबर से लगातार लड़ रहे हैं, जिसमें अब तक करीब 24 हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तीनों हिजबुल्लाह कमांडर दक्षिणी लेबनान के नबातीह क्षेत्र में एक कार में थे। इसी दौरान उन पर मिसाइल हमला हो गया और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, इस्राइल ने इस पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, आईडीएफ का कहना है कि उनके लड़ाकू विमानों ने किला गांव के पास हिजबुल्लाह बुनियादी ढांचे और रॉकेट दागने की तैयारी कर रहे एक दस्ते पर हमला किया था। रिपोर्टों की मानें तो आईडीएफ ने जिस हमले का जिक्र किया वह नबातीह वाले हमले से अलग है।

इधर, हिजबुल्लाह ने मंगलवार को हिजबुल्लाह कमांडर विसाम ताविल और हमास उप-प्रमुख सलाह अरौरी की हत्या का बदला लिया। हिजबुल्लाह ने उत्तरी इस्राइल में रॉकेट और ड्रोन से हमला किया। ड्रोन ने सफेद शहर में स्थित आईडीएफ के उत्तरी कमान मुख्यालय पर हमला किया। हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इस्राइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इस्राइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इस्राइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इस्राइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इस्राइल के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें।

सीनेट में राष्ट्रपति बाइडन का प्रस्ताव

भारतीय मूल के सर्जन जनरल डॉ विवेक मूर्ति डब्ल्यूएचओ बोर्ड में शामिल होंगे

वॉशिंगटन। भारत की प्रतिभा एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय मूल के डॉक्टर को अमेरिका का प्रतिनिधि चुना है। बाइडन ने यूएस सर्जन जनरल डॉ विवेक मूर्ति को विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ड॥ह्) के बोर्ड में प्रतिनिधि बनाने का फैसला लिया है। उन्होंने इस संबंध में प्रस्ताव यूएस सीनेट में भेजा है। बता दें कि डॉ विवेक दूसरी बार अमेरिका के प्रतिनिधि बनकर डब्ल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड में शामिल होंगे।

46 साल के चिकित्सक डॉ विवेक मूर्ति का नाम दोबारा भेजा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उनके नाम पर आम सहमति का इंतजार बीते लगभग 14 महीने से हो रहा है। डब्ल्यूएचओ बोर्ड में डॉ विवेक के शामिल होने का प्रस्ताव अक्तूबर 2022 से ही सीनेट में लंबित है। व्हाइट हाउस ने बताया कि डॉ मूर्ति भारतीय मूल के पहले अमेरिकी सर्जन जनरल हैं। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। मार्च 2021 में अमेरिकी सीनेट ने देश के 21वें सर्जन जनरल के रूप में डॉ विवेक के नाम को मंजूरी दी थी। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में भी अमेरिका के 19वें सर्जन जनरल के रूप में सेवाएं दी थीं। खबरों के मुताबिक आठ जनवरी को व्हाइट हाउस की तरफ से सीनेट में प्रस्ताव भेजा गया। इसमें डॉ विवेक के नाम का उल्लेख है। मूर्ति की जड़ें कर्नाटक में रहने वाले पूर्वजों से जुड़ी हैं। कर्नाटक से इंग्लैंड जाकर बसे प्रवासियों की संतान डॉ मूर्ति का जन्म यॉर्कशायर के हडर्सफ़ील्ड में हुआ था। करीब 45 साल पहले मूर्ति का परिवार कनाडा के प्रांत न्यूफ़ाउंडलैंड चला गया।

सर्दी जुकाम में बचाव पर अधिक करें खुद को केन्द्रीत

संक्रमण के पहले दिन ही ऐसा हो सकता है। इस शुरूआती चरण के दौरान, सामान्य सर्दी के लक्षण सामने आते हैं उसमें बहती हुई नाक, छींक आना, आवाज का बैठ जाना और खांसी हो जाना हो सकता है। यह लक्षण धीरे-धीरे बढ़ते हैं और सर्दी के चोथे दिन से लेकर सातवें दिन तक लक्षण सबसे खराब हो जाते हैं। इसमें नाक बहना, साइनस/नाक बंद होना शामिल हो जाते हैं। शरीर में दर्द होना शुरू हां जाता है। कभी-कभी बुखार भी आ जाता है। सर्दी के अन्तिम चरण में लक्षणों की तीव्रता कम होने लगती है क्यों गले और नाक में दबाव कम हो जाता है। हालांकि अधिकांश व्यक्तियों को खांसी नहीं होती है। फिर भी कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनको खांसी अधिक हो सकती है। इन लोगों में रोक रोधक क्षमता अधिक होती है। सदी के बचाव के लिए व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना होगा कि उसके शरीर में रोग रोधक क्षमता अधिक हो और कुछ विटामिन जिनकी मात्रा का सन्तुलन बना रहे।

बार-बार जुकाम होने के कारण आमतौर पर हमारी गलतियों के कारण ही होते हैं। राइनों वायरस सामान्य तौर पर सर्दी के लिए जिम्मेदार होता है। इससे बचने के लिए हमने अपने इस समाचार में बचाव के ऊपाय दिये हैं। वैसे भी सामान्य जीवन पद्यति से इस प्रकार की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। सर्दी जुकाम के लिए सामान्यतया विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन डी की कमी जिम्मेदार होती है। जिन लोगों में इन विटमिन की कमी होती है उन्हें अपने डाक्टर से सलाह लेते रहना चाहिए और उन वस्तुओं का सेवन करना चाहिए जिनमें ये विटामिन मिलते हैं। खानपान का सन्तुलन व्यक्ति को बीमारियों से दूर रखने में सहायक होता है।

हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि आयु में जो व्यक्ति अधिक हैं उन्हें और बच्चों को अधिक सावधानी बरतना होती है। ये दोनों या तो संवेदनशील होते हैं या फिर इनको परवाह कम होती है। कई बार अधिक सुरक्षा करने पर भी सदी अपना असर दिखा देती है। यह भी ध्यान रखना होता है जब सदी की शुरूआत होती है तब शरीर इसकी तीव्रता को पकड़ नहीं पाता और चपेट में आ जाता है। इसी प्रकार जब सदी जाने को होती है तब भी व्यक्ति लापरवाह हो जाता है। उसे लगता है कि जिस तीव्रता की सर्दी हमने सहन कर ली अब तो कम है। इस प्रकार की लापरवाही से भी सर्दी अपनी चपेट में ले लेती है। इससे बचने के लिए सावधानी बरतना होती है।

यदि कोई व्यक्ति सर्दी जुकाम से पीड़ित हो जाता है तब उसको विषम परिस्थितियों में डाक्टर के पास जाना चाहिए। सबसे पहले घरेलु उपचार करना चाहिए। जैसे भाप लेना चाहिए, गले की खराश के लिए नमक के पानी के गरारे करना चाहिए। खूब पानी पीना चाहिए। जूस और नारियल का पानी भी पी सकते हैं। आराम भी करना चाहिए। इसके अलावा दिनचर्या को सामान्य रखने का प्रयास करना चाहिए। ताजा सब्जियां और ताजा रोटियों का ही सेवन करना चाहिए। हालांकि सर्दी के समय कुछ खास किस्म के भोजन की व्यवस्था होना चाहिए। मक्का और बाजरे के आटे का भी सप्ताह में कम से कम दो दिन तक उपयोग करना चाहिए। बुजुर्ग व्यक्तियों को च्यवनप्राश का उपयोग करना चाहिए। इससे रोग रोध क्षमता का विस्तार होता है और सदी के संक्रमण प्रभाव कम डाल पाते हैं। कई बार गले में दबाव होने के समय ही गरारे करने से सर्दी अपना प्रभाव नहीं डाल पनाती है। स्नान करते वक्त अधिक गरम पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। एक बात का विशेष ध्यान देना चाहिए कि नहाते समय मूंह में पानी भरकर स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से नाक से सांस का आवागमन होना शुरू हो जायेगा जिससे सर्दी की संभावना कम हो जायेगी। यह भी हो सकता है कि सर्दी प्रभावित ही नहीं कर पायेगी।

यदि व्यक्ति अपने स्वभाव और गतिविधियों को सामान्य और सन्तुलित बनाये रखेगा तब उसको किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसीलिए कहा गया है कि बचाव के प्रति अधिक सर्त्तक रहने से ईलाज की जरूरत नहीं होगी और व्यक्ति सामान्य जीवन जीने का अधिकारी हो जायेगा।

सर्दी जुकाम के लक्षण क्या हैं ....?

वायरस के संपर्क में आने के दो या तीन दिन बाद सर्दी के लक्षण दिखाई देने लग जाते हैं। लेकिन किसी व्यक्ति को ये एक सप्ताह के बाद भी दिखाई दे सकते हैं। अधिकांश लक्षण नाक तक ही सीमित रहते हैं। सर्दी के सबसे सामान्य लक्षण इस प्रकार से होते हैं।

» नाक भरा हुआ महसूस होता है। » छींक आना » बहती नाक
» गले में जलन » हल्की तथा तेज खांसी
» मांस पेशियों और हड्डियों में दर्द होना और दर्द का लगातार बने रहना » सिरदर्द
» हल्की थकान होना » आंखों में पानी आना » हल्का बुखार » गला खराब होना
» ठंड लगना » नाक से पानी स्त्राव जो गाढ़ा पीला या हरा हो जाता है।

बार-बार जुकाम के कारण :-

» किसी बीमार व्यक्ति के खांसने, छींकने या बोलने के दौरान हवा में जो बूंदे निकलती हैं उनके संपर्क में आने से » किसी बीमार व्यक्ति से हाथ मिलाने या बातचीत करने से
» बर्तन, तोलिये, खिलौने या फोन को छूने से या सांझा करने से जिनमें वायरस होता है।
» वायरस के संपर्क में आने के बाद अपने नाक, कान या आंखों को छूने से

सर्दी जुकाम से कैसे करें बचाव ....?

निम्न लिखित दिए गये उपायों को अपनाकर सर्दी से बचाव किया जा सकता है।

» सर्दी से जो लागे ग्रस्त हैं उनसे सुरक्षित दूरी बनाकर रखना चाहिए।
» स्वास्थ्य से भरपूर ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करना चाहिए।
» खांसते और छींकते समय टिश्यू पेपर या रूमाल का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ में तुरन्त हाथ भी धो लेना चाहिए। जिससे संक्रमण से बचा सके। किसी अन्य के पास संक्रमण न जा पाये।
» अगर टिश्यू पेपर नहीं है तब अपनी शर्ट के ऊपरी भाग के साथ नाक या मूंह ले जाकर छींकना या खांसना चाहिए ताकि मूंह में किसी भी प्रकार का संक्रमण न पाये और आगे न बढ़ पाये।
» अपने चेहरे विशेषकर अपने होठों को, नाक और आंख को छूने से बचना चाहिए।

डाक्टर को को कब दिखाये

» तेज बुखार होने पर » छाती में दर्द होने पर » कान में दर्द होने की स्थिति में
» अस्थमा का बढ़ना या सांस लेने में कठिनाई होने की स्थिति में
» लक्षण दस दिनों से अधिक समय तक बने रहते हैं या अधिक खराब होते हैं तब भी डाक्टर से परामर्श ले लेना चाहिए।

0000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000000

सर्दी जुकाम पर दादी-नानी के आजमाये हुए नुस्खे भी समझें

बदलते मौसम के साथ सर्दी खांसी की समस्या लोगों को परेशान कर देती है। फिलहाल कभी बारिश की झड़ी तो कभी तेज चिलचिलाती धूप के कारण अधिकतर लोग जुकाम और फ्लू का सामना कर रहे हैं। दवाओं के साथ कुछ घरेलू उपाय भी इस परेशानी को कम करने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं सर्दी खांसी की परेशानी को उड़नछू कर देनी वाले कुछ घरेलू उपाय जिनको दादी और नानी के जमाने से सुनते और आजमाते आ रहे हैं:-

सर्दी-खांसी दूर होगी इन 2 चीजों को खाने पर, कफ सिरप जैसा मिलता है फायदा, ठीक हो जाती है तकलीफ। सर्दियों का मौसम अपने साथ खांसी, जुकाम और गले के दर्द जैसी कितनी ही स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें लेकर आता है। इस मौसम में एक बार गलती से आइसक्रीम या गोल-गप्पे खा लिए तो समझो शामत आ जाती है। सर्दी एक बार पकड़ती है तो फिर छोड़ने का नाम नहीं लेती। ऐसे में घर की ही कुछ चीजें इन स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को दूर करने में असरदार साबित होती है। यहां जानिए किन चीजों को खाने पर खांसी-जुकाम की दिक्कतों में आराम मिल सकता है।

अदरक और शहद का सिरप

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर अदरक का असर खांसी-जुकाम दूर करने में तेजी से नजर आता है। अदरक और शहद दोनों ही एंटी-इफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में अदरक और शहद को साथ मिलाकर खाने पर खांसी-जुकाम की दिक्कत दूर हो जाती है। इसके अलावा इन दोनों को मिलाकर सिरप तैयार किया जा सकता है। सिरप बनाने के लिए अदरक और शहद के साथ ही नींबू के रस का भी इस्तेमाल किया जाता है। एक पैन में थोड़ा पानी डालकर पकाएं. इस पानी में एक चम्मच शहद, आधा चम्मच नींबू और थोड़ा अदरक घिसकर डालें। इन तीनों को साथ पकाएं और फिर हल्का गर्म ही इस मिश्रण को पी जाएं। सुबह शाम इसका सेवन किया जा सकता है। खांसी और जुकाम कम हो जाएगा।

अदरक और तुलसी

खांसी से निजात पाने के लिए अदरक और तुलसी का सेवन भी किया जा सकता है। किसी बर्तन में आधा कप पानी लें और इसमें 4 से 5 तुलसी के पत्ते और थोड़ा अदरक घिस कर डालें। जब पानी पक जाए और पानी में अदरक और तुलसी का रंग चढ़ जाए तो आंच बंद कर दें। इस तैयार पानी को कप में डालें और चाय की तरह पिएं। गले को आराम मिलता है, खांसी कम होती है, जुकाम दूर होता है और ठंड से पेट में दर्द हो रहा है तो उससे भी राहत मिलती है।

सर्दी-खांसी दूर होगी इन 2 चीजों को खाने पर, कफ सिरप जैसा मिलता है फायदा, ठीक हो जाती है तकलीफ । दादी कहती है बच्चे को हो गई है खांसी-जुकाम तो मल दें यह तेल गर्म करके छाती पर, तुरंत ठीक हो जाएगा बच्चा। दादी कहती है बच्चे को हो गई है खांसी-जुकाम तो मल दें यह तेल गर्म करके छाती पर, तुरंत ठीक हो जाएगा बच्चा। किचन में रखी ये चीज सर्दी, खांसी और पॉल्यूशन के साइडइफेक्ट्स से लड़ने में करती है मदद, बस करें ये काम। किचन में रखी ये चीज सर्दी, खांसी और पॉल्यूशन के साइडइफेक्ट्स से लड़ने में मदद करती है।

शहद, नींबू और गर्म पानी

शहद, नींबू और गर्म पानी सर्दी खांसी को कम करने में मदद करते हैं। एक चम्मच शहद में कुछ बूंद नींबू का रस और इलायची पाउडर डालकर सिरप बना लें और दिन में दो बार इसे लें। जुकाम हो जाने पर जितना हो सके गर्म पानी ही पिएं। इससे गले में जमा म्यूकस आसानी से निकल जाएगा।

गर्म दूध और हल्दी

गर्म दूध में चुटकी भर हल्दी पाउडर जुकाम पर जादू सा असर करता है। हल्दी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बैक्टेरियल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करता है। रात में सोने से पहले हल्दी वाले दूध का सेवन बहुत फायदा पहुंचा सकता है।

नमक डले गर्म पानी से गरारे

गर्म पानी में एक चम्मच नमक डाल कर गरारे करने से गले की खराश दूर हो जाती है और जुकाम का असर कम होने लगता है। सर्दी जुकाम हो जाने पर दिन में कई बार गरारे करना चाहिए।

लहसुन

अपनी गर्म तासीर और मेडिकल प्रापर्टीज के कारण लहसुन सर्दी खांसी में काफी राहत पहुंचता है। लहसुन की कलियां छील कर खाई जा सकती है या खाने में लहसून को मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। दोनों ही तरीके से लहसुन फायदा पहुंचाता है।

बच्चों को घरेलु उपाय से बचाएं सर्दी से

सर्दी के मौसम में बड़ों के साथ बच्चे भी प्रभावित होते हैं। हालांकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है और वे खेल-खेल में सर्दी का सामना कर जाते हैं फिर भी कुछ छोटे बच्चे पहले ही दौर में सर्दी से प्रभावित हो जाते हैं। उनको इस रोग से बचाने के लिए कुछ घरेलु उपाय बताये गये हैं। हम उन उपायों को प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि बच्चों के लिए उन्हें उपयोग में लाया जा सके। आज कुछ बातें समाज में प्रचलन में आ रही हैं उनको लेकर बात करने और आगाह करने की जरूरत है। एक डाक्टर से हमारी बात हो रही थी। उन्होंने बताया कि आज युवा परिवार बच्चों के प्रति अधिक केयर करते हैं। वे खुद कामकाजी हैं इसलिए अंग्रेजी दवाओं के प्रति जल्द आकर्षित हो जाते हैं। उन्हें परम्परागत रूप से दादी-नानी किस प्रकार से सर्दी के बचाव के लिए उपाय करते थे यह पता ही नहीं होता। इससे बच्चा दवाओं का आदि हो जाता है जो आने वाले समय के लिए घातक परिणाम देता है। कुछ महिलाएं कम फीस वाले डाक्टर को अच्दा नहीं मानते हैं वे अधिक फीस वाले डाक्टर के पास जाते हैं प्रयोग अधिक करता है। इस प्रकार के परिवारों के लिए ये उपाय जरूरी हैं।

बच्चों को सर्दी से बचने के लिए अपनाये यह नुस्खे

- **इस नुस्खे को अपनाने के लिए जायफल को शुद्ध सरसों के तेल में भिगो दे अच्छे से भीगने के बाद फिर इसे किसी भी पत्थर में रगड़ने और 6 महीने से ऊपर के बच्चों को दें अगर बच्चा 6 महीने से कम उम्र का है तो इसमें बच्चों की मालिश करें इसकी मालिश करने से भी काफी मदद मिलेगी जायफल को घिसने के बाद आप वापस तेल में डाल दें और फिर से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।**
- **बच्चों को हर्बल टी या गर्म पानी के साथ दो चम्मच शहद मिलाकर दे सकते हैं शहर से बच्चों को आराम मिल सकता है चाहे तो आप दो चम्मच शहद भी बच्चे को खिला सकते हैं ध्यान रखें की 12 महीने से कम उम्र के शिशुओं को शहर ना खिलाए।**
- **अदरक कब को काटकर खांसी को शांत करता है ऐसे में बच्चों को अदरक की चाय पिला सकते हैं इसे बनाने के लिए ताजी अदरक के 1 इंच के टुकड़े को काट ले और एक कप पानी में 10 से 15 मिनट तक उबले फिर इस बच्चे को पीने दिन बहुत ज्यादा अदरक का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे गले में जलन और पेट में परेशानी हो सकती है।**

सबसे पहले करें यह काम

जुकाम के कारण नाक बंद होना गले में खराश हो जाती है इसके अलावा खांसी से भी बच्चे को थकान हो जाती है ऐसे में शरीर को आराम पहुंचना बहुत जरूरी है इसलिए बच्चों को अच्छी तरह आराम करने के लिए कहें कोशिश करें कि जब तक भी ठीक महसूस ना करें तब तक स्कूल न जाए

एनिमल ने सुपरस्टार्स में लाकर खड़ा कर दिया रणबीर को

बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर को एनिमल की धुआंधार कामयाबी ने सबसे बड़े भारतीय सुपरस्टार्स में लाकर खड़ा कर दिया है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी एनिमल की कमाई तेज गति से आगे बढ़ रही है। थिएटर्स में फिल्म जिस तरह का बिजनेस कर रही है, वो सीधा शाहरुख खान की दो बड़ी ब्लॉकबस्टर पठान और जवान के स्तर पर है।

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने रणबीर को जिस खूंखार अवतार में स्क्रीन पर पेश किया है, उसका जलवा जनता को लगातार थिएटर्स में खींच रहा है। फिल्म की पॉपुलैरिटी का कमाल ये है कि 11 दिन में फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 737 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन जुटा लिया। 12वें दिन रणबीर की फिल्म 750 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है और इसने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। एनिमल ने 12 दिन के अंदर कनाडा में 5।28 मिलियन डॉलर (44 करोड़ रुपये) का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।

रणबीर की फिल्म ने इस आंकड़े तक पहुंचते हुए शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर जवान को भी पीछे छोड़ दिया है। जवान ने कनाडा में 5।27 मिलियन डॉलर का बिजनेस किया था। अब एनिमल कनाडा में दूसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म बन चुकी है।एनिमल ने 11 दिन में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 401 करोड़ रुपये से ज्यादा नेट कलेक्शन कर लिया। शाहरुख की जवान ने भी इतने ही दिन में इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ का आंकड़ा पार किया था और अब ये दोनों फिल्में सबसे तेज इस माइलस्टोन तक पहुंचने वाली फिल्में हैं।

ट्रेड रिपोर्ट्स कहती हैं कि एनिमल ने 12वें दिन इंडिया में करीब 13 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। इसके साथ भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 458 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। 12 दिन बाद सिर्फ हिंदी वर्जन से एनिमल करीब 412 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अभी कनाडा में सबसे बड़ी भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड शाहरुख की पठान के नाम है, जिसने 6 मिलियन डॉलर (50 करोड़ रुपये से ज्यादा) का बिजनेस किया था। लेकिन अब जल्दी ही रणबीर की फिल्म, शाहरुख की इस फिल्म को भी पीछे छोड़ देगी और रणबीर कनाडा में सबसे बड़े इंडियन सुपरस्टार बन जाएंगे।

डंकी और सालार की होगी बडी टक्कर

बालीवुड स्टार शाहरुख खान की डंकी और प्रभास स्टारर सालार को लेकर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। दोनों बड़े बजट की फिल्में हैं। इन फिल्मों के कलेक्शन पर सभी की निगाहें हैं। इन दोनों फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी टक्कर होने वाली है। पहले सालार सितंबर में रिलीज होने वाली थी लेकिन फिर इसे बढ़ाकर दिसंबर में कर दिया गया। उम्मीद जताई जा रही हैं कि दोनों ही फिल्में अच्छा कलेक्शन करेंगी लेकिन क्या टकराव से उनके कलेक्शन पर फर्क पड़ेगा इस पर ट्रेड एक्सपर्ट क्या कहते हैं इस रिपोर्ट में बताते हैं। क्रिसमस पर बॉक्स ऑफिस पर पैसा ही पैसा बरसने वाला है क्योंकि दो बड़े स्टार्स की फिल्में आने वाली हैं। राजकुमार हिरानी निर्देशित फिल्म डंकी में शाहरुख मुख्य भूमिका में हैं। इस साल यह उनकी तीसरी फिल्म है। पहले दोनों फिल्में पठान और जवान ब्लॉकबस्टर हुईं तो डंकी से भी काफी उम्मीदें हैं।

पहली बार शाहरुख और हिरानी साथ काम कर रहे हैं। ट्रेड एक्सपर्ट का मानना है कि टकराव से दोनों फिल्मों को नुकसान होगा और यह पठान-जवान जैसा कलेक्शन नहीं कर पाएगी। इस बारे में ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने कहा, मुझे यकीन है कि अकेले रिलीज की तुलना में शुरुआती वीकेंड थोड़ा कम रहेगा। दोनों फिल्में एक दूसरे के बिजनेस को नुकसान पहुंचाएंगी और बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड संख्या दर्ज करने की संभावना नहीं है। जब फिल्म सिंगल रिलीज होती है तब आमतौर पर रिकॉर्ड टूटते हैं। एक ही समय में दो बड़ी फिल्मों के आने से यह बंट जाता है। दोनों फिल्मों की ओपनिंग जवान, पठान या आरआरआर के लेवल की नहीं होगी। आने वाले समय में अगर अच्छा वर्ड ऑफ माउथ रहा तो फिल्मों को फायदा होगा और नंबर बढ़ सकते हैं।

यह फिल्म के विषय पर निर्भर करेगा। हिंदी बेल्ट में शाहरुख बहुत बड़े स्टार हैं। एक अन्य ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन ने कहा, नॉर्थ में डंकी एग्जीबिटर्स की पहली पसंद बनी रहेगी। इसमें कोई शक नहीं है। शाहरुख की दो बड़ी हिट के बाद यह फिल्म आ रही है। जबकि प्रभास के लगातार फ्लॉप के बाद सालार आ रही है। इस वजह से जाहिर है शाहरुख की फिल्म को अधिक शोज मिलेंगे।

इंडियन पुलिस फोर्स का फैंस को बेसब्री से इंतजार

एक्शन सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। मशहूर फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा पूर्व में सीरीज से कलाकारों का लुक जारी कर दिया गया था। इसके बाद से ही फैंस में इसके टीजर के लिए बेकरारी बढ़ गई थी। अब निर्माताओं ने सीरीज का टीजर भी रिलीज कर दिया है। जारी किए गए इस टीजर को सीरीज के लीड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। टीजर में सिद्धार्थ, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और एक्टर विवेक ओबेरॉय पुलिस की वर्दी में नजर आए, जो देश को दुश्मनों से बचाने के लिए मर-मिटने का जज्बा रखते हैं। सिद्धार्थ ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ÷मेरा पहला एक्शन पैक्ड शो लाने के लिए रोमांचित हूं, इंडियन पुलिस फोर्स। कॉप यूनिवर्स के मास्टर रोहित शेट्टी के साथ नई यूनिफॉर्म में वापसी।

मुनव्वर की एक्स गर्लफ्रेंड एंट्री करने के लिए तैयार

बिग बॉस 17 के कंटेस्टेंट मुनव्वर फारुकी की एक्स गर्लफ्रेंड आयशा खान एंट्री के लिए तरह तैयार हैं। इस मौके पर आयशा ने कहा कि उन्होंने जो किया है वह पाप है और जब वह शो में जाएंगी, तो वह सिंगर-स्टार कॉमेडियन से माफी चाहती हैं। चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में, आयशा मुनव्वर के बारे में बात करती हुई दिखाई दे रही हैं और कहती हैं कि उनके साथ उनकी हिस्ट्री रही है। उन्होंने कहा, वहां एक कंटेस्टेंट है। मुनव्वर फारूकी।।। मेरा उनके साथ हिस्ट्री है। आयशा, जो एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, ने फिर कहा कि वह कुछ ऐसा होने का दिखावा करते हैं, जो वह नहीं हैं। आपने मुझसे आई लव यू कहा था और यह भी कहा था कि आप जैसी लड़की से शादी करना चाहिए। गलतियां माफ की जा सकती है, पाप नहीं। तुमने पाप किया है। मैं शो में उनसे माफी चाहती हूं। आयशा ने कहा, वह जो दिखाते हैं, वह वैसे नहीं हैं। आपने कहा है कि आप शो में प्रतिबद्ध हैं।

निर्माताओं ने टिकट पकड़े हुए तस्वीर साझा की

सालारः पार्ट 1 - सीजफायर के निर्माताओं ने स्टार प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, निर्देशक प्रशांत नील और निर्देशक एस।एस। राजामौली के साथ फ्रेम में पहला टिकट पकड़े हुए एक तस्वीर साझा की। होम्बले फिल्म्स ने आगे कैप्शन लिखाः दिग्गज निर्देशक एसएस राजामौली गारू ने मायथ्री मूवी मेकर्स द्वारा जारी निजाम ग्रांट में सालार सीज फायर के लिए पहला टिकट खरीदा। होम्बले फिल्म्स, सालार- पार्ट 1 : सीजफायर में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन और जगपति बाबू होंगे। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर ने किया है।

नेशनल टीवी पर हो गया था ब्रेकअप

1 नहीं 3-3 बार टूटा एक्ट्रेस का दिल..

जिस एक्ट्रेस के बारे में बात करने जा रहे हैं उन्होंने अपने को-स्टार से शादी रचाई थी, लेकिन उनकी शादी 4 साल तक ही टिक पाई। को-स्टार से तलाक के बाद एक्ट्रेस का नाम अन्य कई एक्टर्स संग जुड़ा, लेकिन किसी के साथ भी उनका रिश्ता मुकम्मल न हो सका।

हम जिस एक्ट्रेस की यहां बात कर रहे हैं, वह और कोई नहीं बल्कि 'उतरन' फेम एक्ट्रेस रश्मि देसाई हैं। जहां ज्यादातर एक्ट्रेस टीवी से फिल्मों का रुख करती हैं, वहीं रश्मि देसाई ने फिल्मों से टीवी का रुख किया। रश्मि देसाई ने साल 2002 में असमी फिल्म 'कन्यादान' से एक्टिंग डेब्यू किया था और वह साल 2004 में शाहरुख खान और रवीना टंडन की फिल्म 'ये लम्हे जुदाई के' में नजर आई थीं। उसके बाद उन्होंने साल 2006 में टीवी सीरियल्स का रुख कर लिया। रश्मि ने साल 2006 में टेलीकास्ट होने वाले सीरियल 'रावण' से टीवी का रुख किया। इस सीरियल में वह एक्टर जय सोनी के अपोजिट नजर आई थीं। रश्मि टीवी सीरियल्स के अलावा भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री का भी जाना-माना नाम हैं। अब अगर एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की बात करें तो सीरियल 'उतरन' के सेट पर रश्मि देसाई की मुलाकात को-स्टार नंदीश संधू से हुई थी। शो में साथ काम करने के दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और दोनों एक-दूसरे के इतने करीब आ गए कि कपल ने शादी के बंधन में बंधने का फैसला कर लिया। साल 2011 में रश्मि देसाई ने नंदीश संधू से शादी कर ली थी, लेकिन कपल की शादी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई और केवल 5 साल में ही दोनों ने अलग होने का फैसला करते हुए तलाक ले लिया। नंदीश से तलाक के बाद एक्ट्रेस का नाम कई एक्टर्स संग जुड़ा, लेकिन अरहान खान संग उनका रिलेशनशिप नेशनल न्यूज बन गया था। अरहान खान और रश्मि देसाई की मुलाकात बिग बॉस 13 में हुई थी और इस रियलिटी शो के दौरान ही दोनों का प्यार परवान चढ़ा था। इस कपल के बीच सबकुछ ठीक चल ही रहा था कि अचानक ही सलमान खान ने एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड का पर्दाफाश कर उनकी सच्चाई दुनिया के सामने रख दी थी। सलमान खान ने नेशनल टीवी पर बताया था कि अरहान खान पहले से शादीशुदा और एक बच्चे के पिता हैं जिसके बाद रश्मि और अरहान के रिश्ते का अंत हो गया।

जैकलीन ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

जैकलीन फर्नांडिस बॉलीवुड की काफी पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. जैकलीन ने 'मर्डर 2' और 'किक' सहित कई बॉलीवुड फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से खास पहचान बनाई. हालांकि सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नाम जुड़ने के बाद से एक्ट्रेस काफी सुर्खियों में हैं. उन्हें इस केस में कई बार कोर्ट में तलब किया जा चुका है. उनके खिलाफ मामले में एक एफआईआर और सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दायर की गई थी. वहीं अब एक्ट्रेस ने अपने खिलाफ दायर चार्जशीट और एफआईआर को कैंसिल करने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

जैकलीन फर्नांडिस ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

एएनआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर एफआईआर और चार्जशीट को रद्द करने की मांग के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है.रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस ने अपनी याचिका में कहा है कि ईडी द्वारा उपलब्ध कराए गए एविडेंस प्रूफ के रूप में काम करेंगे कि याचिकाकर्ता निर्दोष है और वो सुकेश की टारगेट बनी हैं

जैकलीन ने दावा किया कि उनका मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई हाथ नहीं है. एक्ट्रेस ने ये भी कहा है कि सुकेश चंद्रशेखर ने उनके साथ फर्जीवाड़ा किया है. इसके अलावा, रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि अभिनेत्री ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसी ने याचिकाकर्ता को आरोपी के रूप में दोषी ठहराते समय पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया है. बता दें कि 17 अगस्त 2022 में ईडी ने जैकलीन के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी. चार्जशीट के मुताबिक जैकलीन ने मामले के मुख्य आरोपी सुकेश से महंगे तोहफे लिए थे. इन गिफ्टस की कीमत 71 लाख रुपये बताई गई थी. बाद में ईडी ने एक्ट्रेस की सात करोड़ की संपत्ति भी जब्त की थी।

शूटिंग सेट पर छवि मित्तल के बालों में लगी आग

एक्ट्रेस छवि मित्तल यूट्यूब पर काफी एक्टिव हैं. उन्होंने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि सेट पर उनके बालों में आग लग गई थी. इसके अलावा छवि ने वीडियो में हेल्थ अपडेट भी दिया. छवि शूट के लिए सेट पर जाती हैं. इस दौरान वो अपने पति के साथ कुछ बातें कर रही होती हैं और अचानक से उनके बालों में आग लग जाती है. इस दौरान एक्टर करण वीर ग्रोवर भी मौजूद होते हैं. छवि करण से पूछती हैं- क्या मेरे बाल जल गए हैं? तो करण कहते हैं- जले हैं. इसके बाद छवि थोड़ा हंसते हुए कहती हैं- सेट पर एक्सीडेंट्स होते हैं. और अभी एक एक्सीडेंट होते-होते बच गया. मेरे बाल जल गए थे. आप लोगों ने वीडियो देखा होगा. ये डरावना था. लेकिन करण थैंक्यू, मेरे बालों को बचाने के लिए. पहले हम सबको बदबू आई. फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरे पीछे कैंडल है. मेरा थोड़ा आगे भी हुई लेकिन तब तक आग पकड़ चुकी थी. बता दें कि इसके अलावा छवि को बैठने में दिक्कत हो रही है. उन्होंने बताया कि उनके बैक में कई सालों से दिक्कत है. छवि को 15-18 सालों से बैक में दिक्कत है. सेट पर वो बैक में थेरेपी गन से थेरेपी लेती भी दिखीं. छवि ने ये भी बताया कि उनका 3 महीने में 8 किलों वजन बढ़ गया है।

आलिया ने येलो कलर की नेट की साड़ी में बढाई धड़कन

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने येलो कलर का एथनिक आउटफिट पहनकर वायरल लड्डू पीला ट्रेंड को फॉलो किया। आलिया ने एम्ब्रॉइडरी वाली येलो कलर की नेट की साड़ी कैरी की थी और इसे अट्रैक्टिल स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया था।

वहीं, आलिया की ज्वैलरी की पसंद कुछ भी कम नहीं थी, जिसमें एक पत्ना चोकर नेकलेस, मैचिंग स्टड और एक अंगूठी शामिल थी। एक्ट्रेस अपने सबसे अच्छी दोस्त की शादी समारोह में शामिल हुई थी। वहां उन्होंने खूबसूरत येलो साड़ी पहने हुए कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यलो देयर आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट किया, क्या खूबसूरती है भूमि पेडनेकर ने रेड हार्ट वाले इमोटिकॉन के साथ लिखा, स्टनिंग प्रीति जिंटा ने रेड हार्ट वाले इमोटिकॉन्स कमेंट में शेयर किए। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर भी तस्वीरें शेयर की और लिखा, लड्डू पीला सीजन।

15, 16 एवं 17 फरवरी को तीन दिवसीय अमरकंटक नर्मदा जन्मोत्सव

कलेक्टर की अध्यक्षता में अमरकंटक में सम्पन्न हुई बैठक

युवा वर्ग ने नशा मुक्ति के बैनर लेकर नशा मुक्ति का संदेश दिया

अनूपपुर। मां नर्मदा की पावन जन्म स्थली अमरकंटक में 15, 16 एवं 17 फरवरी 2024 को तीन दिवसीय अमरकंटक नर्मदा जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाए जाने हेतु आवश्यक तैयारियों तथा आयोजित कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से सम्पादित करने के लिए कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ की अध्यक्षता में सर्किट हाऊस अमरकंटक के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार सिंह, नगर परिषद अमरकंटक के अध्यक्ष श्रीमती पार्वती उईके उपाध्यक्ष श्री रज्जू सिंह नेताम अनुविभागीय दण्डाधिकारी पुष्पराजगढ़ श्री दीपक पाण्डेय, एसडीओपी श्रीमती सोनाली गुप्ता, तहसीलदार श्री अनुपम पाण्डेय, जनपद पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के.के. सोनी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमरकंटक श्री चैन सिंह परस्ते सहित अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, पत्रकार, मंदिरों के पुजारी तथा संतगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने कहा कि अमरकंटक नर्मदा जन्मोत्सव का आयोजन अमरकंटक क्षेत्र की धार्मिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आम जनों के समक्ष प्रदर्शित करना है। उन्होंने कहा कि जन आस्था का प्रतीक मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर में विविध आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमरकंटक श्रृद्धालुओं के साथ ही प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए योग और ट्रैकिंग की गतिविधियां भी आयोजन के दौरान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अमरकंटक क्षेत्र धार्मिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक विविधताओं व विशेषताओं से परिपूर्ण है। यहां पर्यटकों और श्रृद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग व जनसम्पर्क के माध्यम विभाग से जिले सहित अन्य आसपास के जिलों व शहरों में अमरकंटक नर्मदा जन्मोत्सव कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार की गतिविधियां की जाएंगी।

बैठक में अमरकंटक नर्मदा जन्मोत्सव 2024 के तीन दिवसीय आयोजन के संबंध में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय मंदिरों व आश्रमों के प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक में तय किया गया कि आयोजन के दौरान मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर की आकर्षक साज-सज्जा की जाएगी। प्रथम दिवस मां नर्मदा की शोभायात्रा मंदिर परिसर से निकाली जाएगी, जो पंडित दीनदयाल चौक तक जाकर वापस मां नर्मदा मंदिर परिसर में समाप्त होगी। तीन दिवसीय आयोजन में योगाभ्यास, ट्रैकिंग, संकीर्तन, पूजा-अर्चना, हवन, सांस्कृतिक संध्या, कन्या पूजन एवं कन्या भोज, महा आरती, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति तथा स्थानीय समिति के सहयोग से भण्डारा आदि आयोजन सम्पन्न किए जाएंगे।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार सिंह ने बताया कि आयोजन के दौरान जिले सहित प्रदेश व अन्य राज्यों से आने वाले श्रृद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवष्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पार्किंग व्यवस्था बनाकर परिवहन को नियंत्रित किया जाएगा। आयोजन के दौरान आवश्यक पुलिस बल तैनात किया जाएगा। पार्किंग का निर्धारण कर पर्यटकों तथा श्रृद्धालुओं के सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा।

सांसद शर्मा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक संपन्न

विकास एवं निर्माण कार्यो की हुई समीक्षा

कटनी ब्यूरो चीफ अनिल कमल तिवारी। विकास एवं निर्माण कार्यो की हुई समीक्षा कटनी के सुव्यवस्थित विकास के लिए रिंग रोड की कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश कटनी- खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की आयोजित बैठक में जिले में संचालित विकास एवं निर्माण कार्यो की समीक्षा समीक्षा की। उन्होनें पिछले सत्र मे बाहरवीं कक्षा के खराब परीक्षा परिणाम पर गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार करने की नसीहत देते हुए इस साल बेहतर परीक्षा परिणाम लाने शैक्षणिक व्यवस्था में कसावट लाने के निर्देश दिए।

उपार्जन कार्य की समीक्षा के दौरान सांसद श्री शर्मा ने कहा कि किसानो से सीधे जुड़े इस माामले मे ढ़िलाई नहीं चलेगी। उन्होने धान खरीदी में खाद्य विभाग की लचर व्यवस्था को दुरूस्त करने की हिदायत देते हुए अधिकारियों को केन्द्रों का सतत् भ्रमण और निरीक्षण करने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए।

बैठक में मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल, बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पाण्डेय, बड़वारा विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता मेहरा, कटनी विकास प्राधिकरण अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, सांसद प्रतिनिधि द्वय पद्मेश गौतम, विकास द्विवेदी, कलेक्टर अवि प्रसाद, पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, वनमंडल अधिकारी गौरव शर्मा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिशिर गेमावत, आयुक्त नगर निगम विनोद कुमार शुक्ल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग हरि सिंह, पी.एच.ई के.एस.डामोर, जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी पी.पी.सिंह, जिला आपूर्ति अधिकारी बालेन्द्र शुक्ला सहित अन्य जिला अधिकारियों सहित जनपद सदस्य मौजूद रहे।

नितिन शुक्ला सी ए बने, मां शारदा की पावन नगरी मैहर

मैहर निशांत शुक्ला। नितिन शुक्ला सी ए बने, मां शारदा की पावन नगरी मैहर से 12कि मी कि दूरी पर ग्राम भदनपुर निवासी राजेश शुक्ला के पुत्र23 वर्षीय नितिन ने सी ए अंतिम वर्ष की परीक्षा अपने प्रथम प्रयास में ही सफलता अर्जित कर अपने माता पिता एवम् गुरुजनों का नाम गौरान्वित करने के साथ साथ शुक्ला परिवार का नाम रोशन किया है।नितिन की इस सफलता पर समूचे गांव में खुशी का माहौल है । सफलता पर पूरा परिवार गौरान्वित है, दूरभाष के जरिए बधाइयों का सिलसिला जारी है।

स्वरोजगारमूलक योजनाओं के तहत बैंकर्स हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें-जिपं. सीईओ

अनूपपुर। शासकीय स्वरोजगारमूलक योजनाओं के तहत बैंकर्स हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। बैंकर्स विभागीय अधिकारियों से समन्वय बनाकर प्रकरण की स्वीकृति तथा वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिससे विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति भी समय पर सुनिश्चित हो सके। उक्ताशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के स्वरोजगारमूलक प्रकरणों में बैंकर्स द्वारा स्वीकृति एवं वितरण की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला अग्रणी प्रबंधक, नाबार्ड के प्रतिनिधि, विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के विभागीय अधिकारी तथा बैंकर्स उपस्थित थे। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम स्वनिधि, उद्यान, पशुपालन एवं डेयरी, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत विभागों द्वारा बैंकों को प्रेषित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा बैंकर्स से प्रकरणों के संबंध में अद्यतन जानकारी लेते हुए उन्हें प्रकरणों के निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए गए।

धार लोकसभा सोशल मीडिया टोली की घोषणा

धार । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा,सोशल मीडिया के प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा एवं संभाग प्रभारी विक्की मित्तल के निर्देशानुसार एवं सांसद छतर सिंह दरबार व भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी की सहमति से सोशल मीडिया लोकसभा संयोजक दीपक सिंह रघुवंशी द्वारा धार-महू लोकसभा सोशल मीडिया टोली की घोषणा की गई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया टोली में जिला सह संयोजक विशाल माली,सदस्य -विक्की शर्मा पीथमपुर,सुमित रघुवंशी घाटाबिल्लोद,अशोक यादव महू, बसंत खारोल बदनावर,ज्वाला सोलंकी सरदारपुर,अर्पित जोशी गंधवानी,लोकेश मुकाती मनावर,पप्पू राठौर धरमपुरी, गौरव मोनू पाटीदार कुक्षी,संतोष ढोलकिया बदनावर को सदस्य बनाया गया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम चंद्र जी का अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर

बाणसागर क्रिकेट टूर्नामेंट अबेर सीजन-5 का भव्य शुभारंभ

कोटर। सतना जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत अबेर में क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 5 का उद्घाटन मैच मंगलवार 16 जनवरी को बाणसागर विद्युत मंडल के मैदान में होगा। इस मैदान में संभाग स्तर का मैच खेला जाता है जहां खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही उनके प्रतिभा प्रदर्शन व मार्गदर्शन के लिए दूर दराज से कोच व प्रदेश स्तर के मेहमान उपस्थित रहेंगे।

क्रिकेट समिति के संरक्षक सूरजभान सिंह ने बताया कि कई वर्षों से यह मैच बाणसागर के मैदान में खेला जाता है जहां संभाग स्तर की 16 टीम भाग लेती हैं इस क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम को 31000 रुपए व उप विजेता टीम को 21000 नगद पुरस्कार दिया जाएगा एवम दोनों टीमों को 1.1 टोफी व खिलाड़ियों को क्रिकेट ड्रेस पहनने को दिया जाएगा। साथ ही यह मैच 20-20 ओवर का व गुरु की गेंद से खेला जाएगा। बाणसागर क्रिकेट टूर्नामेंट अबेर का रजिस्ट्रेशन ओपन है जिसमें इच्छुक क्रिकेट टीम समिति से संपर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। आयोजक श्रीमती अन्नू कमलेंद्र सिंह सरपंच ग्राम पंचायत अबेर जिसके पदाधिकारी निम्न प्रकार हैं।

संरक्षक सूरजभान सिंह, अध्यक्ष एड. उपेंद्र सिंह, सचिव शिव प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष अभयराज आदिवासी शिक्षक, सहसचिव श्रीमती विमला सिंह जी, कोषाध्यक्ष रविप्रताप सिंह, खेल प्रभारी श्रीधर सिंह गुड्डा, मीडिया प्रभारी नरेंद्र पांडेय, सत्येन्द्र सिंह पिंटू, अजय कुमार पांडेय, संजय तिवारी, ग्राउंड प्रभारी संतोष साकेत, मनभरण साकेत, कार्यक्रम व्यवस्थापक चक्रधर सिंह बीरू, मार्गदर्शक डॉ. नीरज शर्मा, विक्रम त्रिपाठी, वीरेंद्र बघेल, सिंटू शुक्ला, शिबू शुक्ला, शुभम तिवारी, बालकृष्ण त्रिपाठी, अर्जुन सिंह, डॉ. सत्येंद्र सिंह, एड. राजेंद्र सिंह, शारदा सिंह, विकास त्रिपाठी, अजय पांडे, त्रिजुगी कुशवाहा, अनिल पांडे, राजेश सिंह, सिया शरण सिंह, लालमन सिंह, कालीचरण त्रिपाठी, धीरज यादव, चंद्रहास सिंह, रवि कुशवाहा, डॉ नीरज शर्मा ,पहलाद साकेत, राहुल सिंह, गोलू शुक्ला, दाल प्रताप सिंह, धर्मेंद्र सिंह, संजू सिंह, सतेंद्र सिंह, लालू प्रजापति, भारत सिंह, जय सिंह आदि लोगों से सहयोग की अपील की गई है।

अधिकारी लगे रहे बैठकों में और यहां कुप्रथा का शिकार हो गई बिटिया

उमरिया। करोड़ों रुपए बजट को पानी तरह बहाने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में कुप्रथा के खिलाफ महिला एवं बाल विकास विभाग जंग नहीं जीत पाया है, करीब 15 दिन के अंदर 2 नवजात शिशु इस प्रथा का शिकार हो गये हैं और असमय ही काल के गाल में समा गये। मानपुर विकास खंड में कुर्सी तोड़ने वाले होनहार महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी और मैदानी कर्मचारियों पर अब सवाल खड़े हो रहे हैं कि यह कैसी जागरुकता है, जिसे करने के लिए लाखों रुपये खर्च कर दिये जाते हैं, लेकिन दगना कुप्रथा लोगों के दिल दिमाग से निकल ही नहीं पा रही हैं, जिसके कारण लगातार 15 दिन में दो नवजात शिशुओं की मौत हो चुकी है, यह लापरवाही का नतीजा सबके सामने है जब मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऐसे मामले लगभग हर सप्ताह आते हैं, लेकिन अपनी कमी छुपाने के लिए विभाग के जिम्मेदार नवजात को शहडोल मेडिकल कॉलेज भेज देते है और कुछ ही दिनों में शिशुओं की मौत हो जाती है। जिले के मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कठार निवासी 3 माह की दुधमुंही बच्ची को निमोनिया के कारण उसकी ही सगी मां ने गर्म चूड़ियों से कई बार दागा, जिसके कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसे परिजन लेकर मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जिसका इलाज किया गया लेकिन बीते 8 जनवरी की दोपहर बेटी की मौत हो गई। घटना के बाद रोती बिलखती मां और उसके पिता ने शहडोल मेडिकल कालेज में शव वाहन के लिए मिन्नतें तो की मगर वाहन नहीं मिल सका।

स्वरोजगार से युवा विशेषकर महिलाओं को जोडने स्वरोजगार शिविर का आयोजन 11 एवं 12 को

अनूपपुर। मकर संक्रांति पर्व के शुभ अवसर पर 11 से 15 जनवरी 2024 के मध्य पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश मुख्यमंत्री जी द्वारा दिये गये है, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री जी की मंशानुसार युवाओं व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला व्यापार उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने बताया है कि 11 व 12 जनवरी को विशेष कर महिला रोजगार केन्द्रित स्वरोजगार से युवाओं को जोडने के लिए स्वरोजगार शिविर का आयोजन कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, अनूपपुर (जिला पंचायत परिसर) में समय प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक किया जा रहा है।

उन्होंने बताया है कि आयोजित शिविर के माध्यम से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, विरसा मुण्डा, टंटया मामा, संत रविदास योजना, मुद्रा योजना इत्यादि योजनाओं के युवा/युवतियों को स्वरोजगार के अन्तर्गत लाभ प्रदान के लिए ऋण प्रकरण तैयार कराकर बैंको को स्वीकृति हेतु अग्रेषित किये जाएंगे।

मेरा भारत विकसित भारत प्रतियोगिता सम्पन्न

अनूपपुर। नेहरू युवा केन्द्र अनूपपुर द्वारा संगठन मुख्यालय नई दिल्ली के निदेषानुसार मेरा भारत विकसित भारत /2047 विषय पर जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 10 जनवरी 2024 को स्थानीय संस्कार लॉ कॉलेज अनूपपुर के कान्फेन्स हाल में दिन के 11:00 बजे से आयोजित की गई। ज्ञातव्य हो कि चारो विकास खण्डो के प्रतिभागियो को जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया। तथा प्रतिभागियों की निर्णायको के समक्ष स्क्रीनिग उपरांत प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोहन सिंह गोंड़, द्वितीय स्थान सौरभ पटेल तथा तृतीय स्थान कु. मधु देवी ने प्राप्त किया। जिले मे प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अनूपपुर जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्रतियोगिता के आयोजन का उदेदष्य विकसित भारत सकंल्प यात्रा के संदर्भ मे वर्ष 2047 तक भारत को विकासषील से विकसित भारत बनाने हेतु युवाओं की भूमिका पर विचार मथंन किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ0 परमानंद तिवारी प्राध्यापक हिन्दी, नवोद चपरा जी संचालक संस्कार लॉ कॉलेज तथा डॉ0 संजीव पाण्डेय प्राचार्य संस्कार लॉ कॉलेज ने अपनी भूमिका का निवर्हन किया रहे। कार्यक्रम पर संक्षिप्त जानकारी तथा जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के उद्देश्य पर विस्तृत जानकारी डॉ0 आर0 आर0 सिह उपनिदेशक ने0यु0के0 अनूपपुर द्वारा दी गयी। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ने0यु0के0स0 द्वारा प्रमाण पत्र विजेताओ को अतिथियों

पत्नि के जन्मदिवस पर उपहार मे गरिब बच्चों का ओपरेशन

धार। पत्नी को गरीब बीमार बच्चों से हमेशा हमदर्दी रहती है जो हमेशा मदद के लिए भी तैयार रहती है। इस भावना की कद्र करते हुए पति ने भी जन्मदिन पर तोहफे में बच्चों का स्वास्थ्य शिविर लगवाया जिसमें विदेश से डॉक्टर बुलवाकर गरीब बच्चों का कटे फटे होटो का ऑपरेशन निशुल्क किया गया। तीन दिन बच्चों के साथ उनके माता-पिता के रहने और भोजन की भी व्यवस्था की गई और ऑपरेशन के बाद के उपचार और दवाइयों का खर्च भी जैन दंपत्ति द्वारा वहन किया गया।

आमतौर पर लोग अपना जन्मदिन किसी हिल स्टेशन पर जाकर या पार्टी करके मनाते हैं, लेकिन समाजसेवी व जैन रत्न से सम्मानित टीना जयसिंह जैन का जन्मदिन स्वास्थ्य शिविर लगाकर मनाया गया। यहा आयोजन विगत 6 वर्षो से किया जा रहा है और अब तक करीब 800 से 1000 बच्चों की सर्जरी की जा चुकी हैं । कोविड के दौरान यह आयोजन नही हो पाया था तो जैन दंपत्ति ने मुंबई जाकर प्रसिद्ध गायिका पलक मुछाल के तत्वाधान मे सात असहाय और गरीब बच्चों की हार्ट सर्जरी अपने खर्च पर करवाई थी ।

इंदौर पूरे देश मे नये नये कीर्तिमान और रीकॉर्ड बनाने के लिए जाना जाता है उसी कड़ी मे जैन दंपत्ति ने नया आयाम इस्थापित करने के लिए यह अनोखा आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन का छटा वर्ष है इस बार यह आयोजन श्री अरविंदो हॉस्पिटल , सावेर रोड इंदौर मे आयोजित हुआ इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री गोलू शुक्ला जी , डा.विनोद भंडारी (चैयरमेन श्री अरविंदो हॉस्पिटल) डॉक्टर लेरी फिलिप वेस्टिन (प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जरी डॉक्टर, अमेरिका), श्री विवेक - शारदा जी जैन, श्री सुनील जी जैन, श्री सतीश जी जैन , श्री दीपक जी जैन (टीनू) और भारतीय जैन संगठन के सभी सदस्य उपस्तिथ थे कार्यक्रम का संचालन श्री मती रेखा जैन जी ने किया जो इस कार्यक्रम की सूत्रधार भी थी और श्री मती रेखा जी जैन के मार्गदर्शन मे हि हर बार यह कार्यक्रम आयोजित होता है

क्षेत्रीय विधायक श्री गोलू शुक्ला जी ने अपने उद्बोधन मे जैन दंपत्ति की तारीफ की और कहा की मे श्री जय सिंह जैन जी और उनके परिवार को अनेक वर्षो से जानता हू जैन दंपत्ति हमेशा गरीब लोगो की सहायता के लिए तत्पर रहती है मेने जितने भी लोगो को श्री जैन के पास मदद के लिए भेजा वो श्री जैन के यहां से हमेशा मुस्कुराकर हि लोटा है ।

अरविंदो हॉस्पिटल के चैयरमेन डॉक्टर विनोद भंडारी ने भी जैन दंपत्ति की इस सेवा भावी कार्य की जमकर तारीफ की और कहा भविष्य मे भी इस आयोजन के अंतर्गत जो भी सर्जरी होगी उसमे अरविन्दो हॉस्पिटल परिवार और स्टाफ गण पूरे तन मन धन से सहयोग करेगा । इसके पीछे की कहानी ये है कि जैन दम्पत्ति हमेशा गरीब बच्चों के लिए कुछ न कुछ गतिविधियां संचालित करती है तो बीमार बच्चों का इलाज भी कराती रहती है। इसको देखते हुए, उद्योगपति पति जयसिंह ने स्वास्थ्य शिविर लगाने की योजना बनाई। उसमें धार, झाबुआ, ऑलीराजपुर, बड़वानी और खरगोन के बच्चों का चयन किया गया जिनके होठ कटे हुए थे। इलाज के लिए अमेरिका के डॉ. वेस्टीन को बुलाया गया। भारतीय जैन संघटन के बैनर तले हुआ जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र रेखा जैन और उनकी टीम व्यवस्थाओं को संभाल रही थी। बच्चों का ऑपरेशन किया गया। तीन दिन उन्हें इंदौर के एक निजी अस्पताल में रखा जाएगा। उनके साथ माता- पिता के भी ठहरने की व्यवस्था की गई। तीन माह तक की दवाइयों की भी व्यवस्था की जा रही है ताकि उन्हें परेशान न होना पड़े।

एजेंसी देनी

शासन प्रशासन एवं जन-जन की आवाज बनकर प्राथमिकता से खबरों में आपके के बीच 15 वर्षों से लगातार अग्रसर

क्षेत्र में एजेंसी देनी है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715